सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" बड़प्पन इसमें नहीं कि आप क्या कह सकते हैं, बल्कि इसमें है कि आप किन बातों को सुनकर चुप रह सकते हैं.. ...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–252 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 30 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

साइबर ठगी के जाल में फंसे 14 म्यूल अकाउंट धारक, दुर्ग पुलिस ने किया खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

साइबर ठगों को अपना बैंक खाता किराए पर देना 14 लोगों को भारी पड़ गया। दुर्ग पुलिस ने साइबर ठगी की करोड़ों की रकम खपाने वाले 14 म्यूल बैंक खाताधारकों पर कार्रवाई की है। थाना नेवई में 11 और थाना छावनी में 03 आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 306/2026 और 626/2026 के तहत धारा 318(2), 318(3), 317(4) BNS के तहत कार्रवाई की गई है।

कैसे करते थे काम ?

पुलिस के मुताबिक आरोपी 2,000 से 15,000 रुपये के कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते, पासबुक, एटीएम, चेकबुक और सिम कार्ड साइबर अपराधियों को दे देते थे। इन खातों में साइबर ठगी से आई रकम को घुमाया जाता था। जांच में करोड़ों के संदिग्ध लेन-देन मिले हैं। एसीसीयू, थाना नेवई और छावनी की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्य और बैंक स्टेटमेंट के आधार पर यह कार्रवाई की।

गिरफ्तार आरोपी में नेवई के 11: कार्तिक बाग, बबलू शाह, बलवंत सिंह, समीर साहनी, चंद्रप्रकाश पाठक, यतेंद्र धनकर, गुरजीत सिंह रंधावा, राकेश सेन, राकेश देवांगन, फैजल खान और रीता कुमारी और छावनी के 3: रवि भारती, रविंद्र साहू, सुजीत सिंह सभी भिलाई-दुर्ग क्षेत्र के रहने वाले हैं। दुर्ग पुलिस की अपील – अपना बैंक खाता, ATM, पासबुक, चेकबुक या सिम किसी को भी इस्तेमाल के लिए न दें। इसका उपयोग ठगी में होने पर आप भी आरोपी बन सकते हैं।

वैशाली नगर में म्यूल अकाउंट गैंग का भंडाफोड़, घोषित गुंडा-बदमाश सहित 4 गिरफ्तार

भिलाई। वैशाली नगर पुलिस ने म्यूल अकाउंट के जरिए अवैध वित्तीय लेन-देन और अवैध हथियार रखने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। 28 सितंबर को गौसिया मस्जिद, कैंप-01 क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी आम लोगों के बैंक खातों को लेकर उन्हें म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे और अवैध लेन-देन कर रहे थे। तलाशी में आरोपियों के पास से 2 लाख 97 हजार 650 रुपये नकद, बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड, मोबाइल फोन बरामद हुए।

साथ ही बिना लाइसेंस के 11 हथियार भी मिले – 1 एयरगन, 4 तलवार, 2 चापड़, 1 खुखरी और अन्य धारदार हथियार। पुलिस ने दो अलग-अलग अपराध – BNS धारा 317(2), 317(4), 3(5) और आर्म्स एक्ट 25 के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी में सिम्मी उर्फ आलोक उर्फ आलू (26), झरनजीत कौर उर्फ पूजा (23), रंजीता कौर (45) और सिमरन कौर (27) – सभी निवासी गौसिया मस्जिद के पास, कैंप-01 भिलाई सभी को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है।

यूपी में सियासी पारा हाई

350 सीटों पर एसपी का दावा, इंडिया ब्लॉक की बैठक से अखिलेश की दूरी

कांग्रेस को सख्त संदेश

विशेष संवाददाता / नईदिल्ली-लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीट बंटवारे को लेकर बड़ा दांव चला है, जिससे कांग्रेस खेमे में खलबली है।

अखिलेश का 350 का फॉर्मूला तय

SP ने अंदरूनी बैठकों में विधायकों और प्रवक्ताओं को साफ कर दिया है कि पार्टी यूपी की 403 में से लगभग 350 सीटों पर खुद लड़ेगी। उम्मीदवारों की लिस्ट भी लगभग फाइनल है। 2022 की तरह इस बार भी सहयोगियों के लिए कुछ सीटें छोड़ी जाएंगी, लेकिन बड़ा हिस्सा SP के पास रहेगा। गेंद अब कांग्रेस के पाले में है कि वो बची 50-60 सीटों पर मानेगी या नहीं। कांग्रेस की तैयारी 150 सीटों की है, जिसे उसने तीन कैटेगरी में बांटा है – मजबूत उम्मीदवार वाली, संगठन मजबूत वाली और SP के साथ जीतने लायक सीटें।

INDIA गठबंधन की बैठक से दूरी

चीफ इलेक्शन कमिश्नर के मुद्दे पर दिल्ली में बुलाई गई इंडिया गठबंधन की अहम बैठक से अखिलेश ने दूरी बना ली। पटना, बेंगलुरु, मुंबई, दिल्ली की सभी बैठकों में मौजूद रहने वाले अखिलेश का इस बार न आना चर्चा का विषय बन गया। अखिलेश ने इसे निजी कार्यक्रम बताया, लेकिन सियासी जानकार मानते हैं कि वो राहुल गांधी-खड़गे के साथ सीट शेयरिंग पर सीधे टकराव से बच रहे हैं ताकि दबाव न बने।

कांग्रेस में दो सुर

– इमरान मसूद के तीखे तेवर: कहा- यूपी में नेतृत्व करना है तो बड़ा दिल दिखाना होगा। ममता बनर्जी ने कांग्रेस को हल्के में लिया था, नतीजा सबने देखा। दूरी से नुकसान एसपी को ही होगा।

– अजय राय का नरम रुख: यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा – इसे तूल न दें, निजी कारण हो सकता है। देशहित में हम सब एक हैं।

लोकसभा के आंकड़ों से SP का कॉन्फिडेंस

2024 लोकसभा में एसपी 37 और कांग्रेस 6 सीट जीती थी। विधानसभा वार देखें तो INDIA ब्लॉक को 224 विधानसभा क्षेत्रों में लीड मिली थी, जबकि बहुमत का आंकड़ा 202 है। इसी गणित पर अखिलेश अकेले दम पर भी मजबूत दिखने की रणनीति बना रहे हैं। अखिलेश ने बयानबाजी को रणनीति का हिस्सा बताया और कहा कि कई बार विरोधियों से भी राजनीति सीखनी पड़ती है।

CWC मीटिंग में राहुल गांधी का बड़ा दावा, यूपी राज्यसभा चुनाव में अखिलेश की रणनीति तेज

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

राजधानी के इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की बैठक में चुनावी प्रक्रिया को लेकर 5 प्रमुख मांगें रखी गईं, वहीं राहुल गांधी ने पीएम मोदी से जुड़ा एक बड़ा दावा किया। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सियासी चालें तेज कर दी हैं।

CWC की 5 मुख्य मांगें

बैठक में वोटर लिस्ट में पारदर्शिता, SIR के तहत हटाए गए नामों की सार्वजनिक जानकारी, प्रभावित मतदाताओं को अपील का पूरा अवसर और चुनावी डेटा को सार्वजनिक करने जैसी पांच मांगें रखी गईं। कांग्रेस का कहना है कि चुनाव आयोग को इन मुद्दों पर स्पष्टता लानी चाहिए।

राहुल गांधी का दावा - पीएम मोदी से हुई बातचीत का जिक्र

बैठक के दौरान राहुल गांधी ने चीफ इलेक्शन कमिश्नर (CEC) की नियुक्ति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई पुरानी बातचीत का उल्लेख किया। राहुल के मुताबिक जब उन्होंने नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाया तो पीएम मोदी ने कहा था कि "वे वैसे ही कर रहे हैं जैसे इंदिरा गांधी अपने जमाने में किया करती थीं।" इस पर राहुल ने जवाब दिया कि "इसी वजह से वह सत्ता से बाहर भी हो गई थीं", जिसके बाद पीएम ने कथित तौर पर कहा कि "हमें मालूम है कि हम भी एक दिन जाएंगे तो फिर आप ही आएंगे।" राहुल के इस दावे के बाद सियासत गरमा गई है।

बीजेपी का पलटवार

कांग्रेस की बैठक के बाद बीजेपी महामंत्री स्मृति ईरानी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी चुनावी हार की समीक्षा करने के बजाय चुनाव आयोग पर निराधार हमले कर रही है।

यूपी राज्यसभा चुनाव: अखिलेश यादव की बड़ी रणनीति

उधर उत्तर प्रदेश में 10 सीटों के लिए हो रहे राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी पूरी गोपनीय रणनीति पर काम कर रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दिल्ली में होने वाली क्ठउक्कअ गठबंधन की बैठक से दूरी बना ली है, जिसका कारण यूपी का राज्यसभा चुनाव बताया जा रहा है।

सपा का दावा है कि इस बार बीजेपी के कुछ विधायक क्रॉस वोटिंग कर सकते हैं। पिछले चुनाव में हुई हार का हिसाब बराबर करने के लिए अखिलेश बेहद गोपनीय तरीके से तैयारी कर रहे हैं। सपा ने तीन सेट नामांकन फॉर्म खरीदे हैं लेकिन फिलहाल सिर्फ प्रो. रामगोपाल यादव का नामांकन कराया गया है, ताकि अन्य उम्मीदवारों को लेकर सस्पेंस बना रहे। संख्या बल की बात करें तो 10 सीटों में ठउ्अ के पास बहुमत है, लेकिन एक अतिरिक्त सीट पर कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। सपा छोटे दलों और निर्दलीय विधायकों के समर्थन से उलटफेर की तैयारी में है।

मुख्य चुनाव आयुक्त पर विपक्ष का हमला, CWC में राहुल-प्रियंका की रणनीति तेज

देश की राजनीति में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर घमासान तेज हो गया है। दिल्ली में हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में इसी मुद्दे को मुख्य एजेंडा बनाया गया और इस पर चार प्रस्ताव पास किए गए।

सूत्रों के मुताबिक बैठक के दौरान जब एक नेता ने कहा कि ज्ञानेश कुमार अड़ियल रुख अपनाए हुए हैं और इस्तीफा नहीं देंगे, तो प्रियंका गांधी ने कहा कि जैसे पहले धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था, वैसे ही कांग्रेस सड़क पर आंदोलन जारी रखेगी और उन्हें हटने के लिए मजबूर करेगी।

विपक्ष ने 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन 'जेल भरो आंदोलन' और 4 अक्टूबर को चुनाव आयोग के खिलाफ बड़े मार्च का ऐलान किया है। इस आंदोलन को ठाकरे बंधुओं उद्धव और राज ठाकरे का समर्थन बताया जा रहा है।

'ब्रांड मोदी' पर कांग्रेस का फोकस

कांग्रेस की नई रणनीति सीधे 'ब्रांड मोदी' को चुनौती देने की है। पार्टी एक साथ पूरे सिस्टम पर हमला करने के बजाय एक-एक मोर्चे को निशाना बना रही है। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए मांग की कि ज्ञानेश कुमार को सरकारी गवाह बनना चाहिए।

ECI और फॉर्म-7 विवाद

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठे हैं। अगले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट में SIR प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई होगी। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद महाराष्ट्र CEO एस. चोकलिंगम ने ERO के अधिकार सीमित किए जाने पर चुनाव आयोग को पत्र लिखकर आपत्ति जताई थी।

वहीं कर्नाटक से रिपोर्ट है कि कई विधानसभा क्षेत्रों में एक ही दिन में कुछ लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर फॉर्म-7 जमा कर मुस्लिम मतदाताओं के नाम हटाने की मांग की गई। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने भी इस पर सवाल उठाए हैं।

अन्य बड़ी सुर्खियां

अमेरिकी FBI ने गैंगस्टर गोल्डी बराड़ को टॉप 10 मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल किया है और 5 लाख डॉलर के इनाम का ऐलान किया है। संभल हिंसा के आरोपी मुल्ला अफरोज को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है, कोर्ट ने NSA के तहत हिरासत रद्द कर यूपी सरकार पर 1 लाख जुमार्ना लगाया। जापान में चल रहे एशियन गेम्स में भारत ने एक दिन में 2 गोल्ड सहित 8 मेडल जीते, नीरू ढांडा ने ट्रैप शूटिंग में गोल्ड दिलाया।

रायपुर सेंट्रल जेल के मुंगौड़ी सेंटर में नशे का काला कारोबार, गांजा-नशीली गोलियां और नकदी बरामद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी की सेंट्रल जेल के बाहर स्थित मुंगौड़ी सेंटर से नशीले पदार्थों की सप्लाई का बड़ा मामला सामने आया है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार जेल प्रशासन की दबिश में गांजा, तंबाकू, नशीली गोलियां, 400 पैकेट सितार गुटखा और दो मोबाइल जब्त किए गए हैं, साथ ही 70 से 72 हजार रुपए नकद भी बरामद हुए हैं।

यह मुंगौड़ी सेंटर जेल प्रहरी राजेश वर्मा द्वारा संचालित किया जा रहा था। आरोप है कि यहीं से जेल के अंदर नशीला सामान सप्लाई किया जाता था। इसी दौरान मन्नत पुरैना नामक एक अन्य प्रहरी के पास से भी 15 पैकेट तंबाकू जब्त किया गया है। सूत्रों के मुताबिक जेल प्रहरी अपनी बेटी के खाते में ऑनलाइन पेमेंट लेता था।

जेल प्रशासन ने दबिश देकर इस काले कारोबार का भंडाफोड़ तो किया, लेकिन सिर्फ नोटिस देकर छोड़ दिया, कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की गई। पिछले 3 दिनों से मुंगौड़ी सेंटर बंद बताया जा रहा है। फिलहाल इस पूरे मामले में जेल विभाग की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पूर्व IAS दिव्या मित्तल ने राजनीति में एंट्री का किया ऐलान, कहा - किसी पार्टी से नहीं, जनता के मुद्दों के लिए काम करूंगी

लखनऊ/नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश कैडर की पूर्व क्षअर अधिकारी दिव्या मित्तल ने प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देने के बाद अब राजनीति में उतरने का ऐलान किया है। उन्होंने साफ किया कि वह फिलहाल किसी भी राजनीतिक दल से नहीं जुड़ेंगी। उनका मकसद आम लोगों के मुद्दों और उनकी आवाज को सामने लाना है। उत्तर प्रदेश को अपनी कर्मभूमि बताते हुए उन्होंने कहा कि वे यहीं से अपनी नई राजनीतिक यात्रा शुरू करेंगी। गौरतलब है कि दिव्या मित्तल का इस्तीफा 15 सितंबर 2026 से प्रभावी हुआ था। इस्तीफे के बाद से ही उनके अगले कदम को लेकर चर्चाएं तेज थीं। अपने बयान में उन्होंने कहा कि प्रशासन में रहते हुए उन्होंने सिस्टम को करीब से देखा है, अब सिस्टम से बाहर रहकर लोगों के बीच रहकर काम करना चाहती हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा और भ्रष्टाचार को अपने प्रमुख मुद्दे बताए। प्रशासनिक हलकों में दिव्या मित्तल को तेजतर्रार अधिकारी के रूप में जाना जाता रहा है। उनके इस ऐलान के बाद यूपी की सियासत में नए समीकरण बनने की चर्चा है।

भारत के डिजिटल जीवन की भाषा बने हिंदी : प्रो. संजय द्विवेदी

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के आयोजन में हुआ राजभाषा पर विमर्श

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी का कहना है कि राजभाषा हिंदी को सरकारी फाइलों से आगे बढ़ाकर डिजिटल भारत के डिजिटल जीवन की भाषा बनाना होगा। आज हिंदी के प्रयोग का दायरा प्रशासन से निकलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल मीडिया, विज्ञान, शिक्षा, बैंकिंग और ई-कॉमर्स तक पहुंच चुका है।

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा आयोजित राजभाषा हिंदी के आधुनिक प्रयोग विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि ई-गवर्नेंस के दौर में सरकारी पोर्टल, मोबाइल एप और ऑनलाइन सेवाओं में सरल हिंदी का प्रयोग शासन को अधिक नागरिक-केंद्रित बना सकता है। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर पूरन चंद टंडन रहे। संचालन केशरीनंदन ने किया। इस मौके पर संस्थान के परियोजना विभाग के अध्यक्ष प्रो. धनजी प्रसाद उपस्थित रहे।

प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता हिंदी के लिए बड़ा अवसर है। मशीन अनुवाद, वॉइस टेक्नोलॉजी, स्पीच-टू-टेक्स्ट और जनरेटिव एआई में हिंदी की प्रभावी उपस्थिति के लिए डिजिटल कॉर्पस, शब्दकोश और आधुनिक भाषा-संसाधनों का विकास जरूरी है। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि हिंदी को विज्ञान, तकनीक और उच्च शिक्षा की भाषा के रूप में सशक्त करने के साथ डिजिटल पत्रकारिता, सोशल मीडिया, पॉडकास्ट और कंटेंट निर्माण में भी इसकी संभावनाओं का विस्तार करना होगा। उन्होंने प्रशासनिक हिंदी में सरलता, स्पष्टता और व्यवहारिकता को प्राथमिकता देने की बात कही।

प्रो. द्विवेदी के मुताबिक हिंदी को अन्य भारतीय भाषाओं के बीच संवाद और ज्ञान-विनिमय की सेतु बनना चाहिए। हिंदी का भविष्य केवल सरकारी कामकाज में उसके प्रयोग से नहीं, बल्कि नई तकनीक और नए ज्ञान की दुनिया में उसकी उपस्थिति से तय होगा। कार्यक्रम में डा. चंद्रलेखा पुरोहित, डा. मेनका चौधरी, डा. कुसुमलता पुरोहित, डा. एस.सुभा और निवेदिता सिंह ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

आखिर सोना क्यों हुआ सस्ता ? शेयर बाजार में भारी गिरावट

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

त्योहारी सीजन से पहले सराफा बाजार और शेयर बाजार दोनों में बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। एक तरफ सोने-चांदी के दामों में गिरावट से खरीदारों को राहत मिली है, तो दूसरी तरफ शेयर बाजार में भारी बिकवाली से निवेशकों में चिंता है। वहीं 1 अक्टूबर से WhatsApp Business API के नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है।

सोना-चांदी क्यों हुए सस्ते ? : दिल्ली सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना घटकर करीब 1,46,990 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। पिछले हफ्तों में सोने-चांदी में 3 से 4 फीसदी की गिरावट आई है।

गिरावट के 3 बड़े कारण

महंगा कच्चा तेल: अमेरिका-ईरान तनाव से ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है, जिससे वैश्विक महंगाई का डर बढ़ा है।

अमेरिकी फेड का रुख: फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की आशंका और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड के 19 साल के उच्चतम स्तर 5% से ऊपर जाने से निवेशक सोने से निकलकर बॉन्ड में पैसा लगा रहे हैं।

डॉलर की मजबूती: डॉलर मजबूत होने से वैश्विक बाजार में सोने पर दबाव बना है।

इंदिरा गांधी कॉलेज में विद्यार्थियों के बीच स्वदेशी, स्वावलंबन व उद्यमिता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

अजय भसीन ने विद्यार्थियों से कहा—यही समय है, सही समय है ; मिलकर भारत को समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर बनाएं

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वावलंबी भारत अभियान एवं भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वावधान में आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम के अंतर्गत इंदिरा गांधी शासकीय महाविद्यालय वैशाली नगर में विद्यार्थियों के बीच स्वदेशी, स्वावलंबन एवं उद्यमिता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हर घर स्वदेशी, हर युवा उद्यमी का संदेश विद्यार्थियों तक पहुंचाया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि यही समय है—सही समय है। आइए, मिलकर भारत को समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर बनाएं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की शुरूआत हमारे अपने संकल्प से होती है। प्रत्येक विद्यार्थी पहले स्वदेशी का संकल्प ले और अपने घरों में अधिक से अधिक स्वदेश में निर्मित उत्पादों का उपयोग करने की आदत विकसित करे।

भसीन ने विद्यार्थियों को उद्यमिता से जोड़ते हुए कहा कि जो विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ काम करना चाहते हैं, उन्हें इंटर्नशिप के माध्यम से कार्य का अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी पढ़ते-पढ़ते उद्यम और व्यवसाय से जुड़ें तथा अपनी प्रतिभा और कौशल को रोजगार एवं व्यवसाय के अवसरों में परिवर्तित करें।

भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्र ने बताया कि जो युवा अपनी स्किल को और बेहतर बनाना चाहते हैं, उनके लिए स्वावलंबी केंद्र के माध्यम से विभिन्न स्किल ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

गार्गी शंकर मिश्रा ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा शक्ति है। युवाओं के कौशल, नवाचार और उद्यमिता को सही दिशा मिले तो एक मजबूत, सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के साथ-साथ स्थानीय उद्यमियों एवं व्यवसायों को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में पूर्णिमा जी एवं सरोजिनी पाणिग्रही जी के संघर्ष, मेहनत और उद्यमिता कौशल के माध्यम से सफल व्यवसाय खड़ा करने के उदाहरण विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किए गए। उनके जीवन-संघर्ष और सफलता की यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि सही सोच, कौशल, मेहनत और निरंतर प्रयास से युवा अपने लिए नए अवसरों का निर्माण कर सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए सुनील मिश्रा ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने भारत की प्राचीन ज्ञान एवं व्यापारिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने दुनिया को शून्य और दशमलव जैसी महत्वपूर्ण गणितीय अवधारणाएं दीं तथा व्यापार और व्यवसाय की समृद्ध परंपरा का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि एक समय भारत विश्व की आवश्यकताओं के बड़े हिस्से की पूर्ति करने वाला प्रमुख व्यापारिक राष्ट्र था। आज आवश्यकता है कि युवा अपनी प्रतिभा और कौशल के बल पर भारत को फिर से मजबूत आर्थिक राष्ट्र बनाने में योगदान दें।

उल्लेखनीय है कि पिछले 4 सितंबर से 5 अक्टूबर तक आयोजित ह्लउद्यमिता प्रोतसाहन कार्यक्रमह्व के माध्यम से विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों में विद्यार्थियों को स्वदेशी, उद्यमिता, कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

खास खबर

जनदर्शन में 15 आवेदन प्राप्त, आयुक्त सुरुचि सिंह ने त्वरित निराकरण के दिए गए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई में प्रत्येक सोमवार को निगम सभागार कक्ष में नागरिकों की शिकायतों एवं मांगों के निराकरण के लिए जनदर्शन का आयोजन किया जाता है। जनदर्शन के माध्यम से नागरिक सीधे निगम अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं एवं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इसी क्रम में आयोजित जनदर्शन में निगम आयुक्त सुरूचि सिंह, उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे एवं दिनेश कोसरिया की उपस्थिति में नागरिकों द्वारा विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित कुल 15 आवेदन प्रस्तुत किए गए। नागरिकों ने अपने क्षेत्र से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं सहित विभिन्न विषयों को लेकर आवेदन सौंपे। आयुक्त ने नागरिकों से प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का परीक्षण कर नियमानुसार यथाशीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही संबंधित विभागों को प्रकरणों पर समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। निगम द्वारा जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनके निराकरण की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को अपनी शिकायत एवं मांग के लिए सहज माध्यम उपलब्ध हो सके।

आरंभ संस्था ने 'इंद्रधनुष' साहित्यिक कार्यक्रम का किया आयोजन

भिलाई। प्रगतिशील जन-विचारधारा की साहित्यिक संस्था 'आरंभ' की दसवीं सांगठनिक बैठक के अवसर पर हिंदी पखवाड़े के तहत 'इंद्रधनुष - रंग हैं अनेक, भाव है एक' विषय पर विशेष साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन इंडियन कॉफी हाउस सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षाविद प्रो. डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा ने कहा कि विधाओं की विविधता ही साहित्य को जन-जन से जोड़ती है और रचनाकार को समझना होगा कि उसके लेखन का समाज में अनुप्रयोग कितना हो रहा है। विषय प्रवर्तन करते हुए साहित्यकार तारकनाथ चौधुरी ने कहा कि साहित्य की हर विधा कविता, कहानी, निबंध, नाटक जीवन के अलग-अलग रंगों की तरह है, इन्हें मिलाकर ही साहित्य का संपूर्ण इंद्रधनुष बनता है।

मुख्य वक्ता व्यंग्यकार विनोद साव ने 'हिंदी और बिंदी' व्यंग्य रचना का पाठ किया और कहा कि 'जरूरत' उर्दू शब्द है, हिंदी में 'आवश्यकता' कहना चाहिए। अध्यक्षता कर रहे आरंभ के मुख्य सलाहकार आचार्य डॉ. महेशचंद्र शर्मा ने कहा कि हम हैं तो भाषा में हैं, साहित्य ही वह जगह है जहां से मनुष्य अपनी समग्रता को देख सकता है। अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य ने स्वागत उद्बोधन दिया। सरस्वती वंदना संध्या साटकर, ज्योत्सना पाटिल और शेफाली भट्टाचार्य ने प्रस्तुत की। संचालन राकेश गुप्ता 'रुसिया' और शायरा सबा खान ने किया। इस अवसर पर दीप्ति श्रीवास्तव, वीणा सिंह, डॉ. दीक्षा चौबे, वर्षा ठाकुर, अमृता मिश्रा, प्रकाश मंडल, पल्लव चटर्जी, ब्रजेश मल्लिक, हरि प्रकाश गुप्ता 'सरल', राजकुमार भल्ला, जलज ताम्रकार, नितिन गोस्वामी सहित 25 से अधिक रचनाकारों ने कविता, गजल, लघुकथा, व्यंग्य की प्रस्तुति दी। अंत में अतिथियों को गेस्ट ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया।

प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल ने गिनाई 2 साल की उपलब्धियां

बोले – दुर्ग लोकसभा के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर द्वारा नेहरू भवन सुपेला में आयोजित 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल पत्रकारों से रू-ब-रू हुए। उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल के दो वर्षों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया और दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के विकास का विजन साझा किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद विजय बघेल ने मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। प्रेस क्लब के अध्यक्ष अनिल गुप्ता, महासचिव दिलीप शर्मा सहित सदस्यों ने पुष्पगुच्छ से सांसद का स्वागत किया। अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया और प्रेस क्लब के उन्नयन के लिए मांग पत्र सौंपा, जिस पर सांसद ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए सांसद बघेल ने कहा कि पत्रकार समाज की घटनाओं और जनसमस्याओं को प्रमाणिकता के साथ सामने लाते हैं। दुर्ग लोकसभा में चार नगर निगम सहित शहरी और ग्रामीण अंचल आते हैं, यह एक व्यापक क्षेत्र है। केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि और प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भिलाई औद्योगिक नगरी है, इसलिए यहां श्रमिकों की सुविधा, रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा को विशेष प्राथमिकता दी गई है। उनके कार्यकाल में श्रमिक अस्पतालों के सुधार, केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय जैसे प्रोजेक्ट आगे बढ़े हैं। चंदूलाल चंद्राकर अस्पताल में सीट वृद्धि के लिए केंद्रीय स्तर पर पहल की गई, जिसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं।

पर्यावरण पर चिंता जताते हुए सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जल ही जीवन है' संदेश को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है। भविष्य के जल संकट से बचने के लिए हर घर में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगना चाहिए, इसके लिए नगर निगम में पर्याप्त फंड है। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ने की अपील भी की। क्षेत्रीय युवाओं और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सांसद खेल स्पर्धा और 'सांसद मेला-मड़ई' जैसे आयोजनों में बड़ी संख्या में पंजीयन होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली में क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों और रेलवे से जुड़ी यात्री सुविधाओं के निराकरण के लिए वे लगातार मंत्रालयों के संपर्क में हैं।

कार्यक्रम के अंत में प्रेस क्लब की ओर से सांसद को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन महासचिव दिलीप शर्मा और संचालन डीके साहू ने किया।

सांसद विजय बघेल के सुरक्षा अधिकारी गोविंद दीक्षित सेवानिवृत्त, सांसद कार्यालय में भावभीना विदाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सांसद विजय बघेल की सुरक्षा में पदस्थ सुरक्षा अधिकारी गोविंद दीक्षित के शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने पर सांसद कार्यालय में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में सांसद विजय बघेल ने दीक्षित को शुभकामनाएं देते हुए उनके सेवाकाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2008 से 2026 तक लगभग 18 वर्षों की शासकीय सेवा के दौरान दीक्षित ने पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। सांसद की सुरक्षा व्यवस्था में उनकी सेवाएं महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रही हैं। सांसद बघेल ने कहा कि सेवानिवृत्ति शासकीय सेवा का अंत नहीं, बल्कि जीवन के नए अध्याय की शुरूआत है। उन्होंने दीक्षित के स्वस्थ, सुखमय एवं आनंदमय भविष्य की कामना की।

विदाई समारोह में सांसद कार्यालय के पदाधिकारी, कर्मचारी एवं सहयोगी उपस्थित रहे। इस अवसर पर दीक्षित को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। दीक्षित ने सांसद एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने अनुभव साझा किए। समारोह सौहार्दपूर्ण एवं भावुक वातावरण में संपन्न हुआ।

गणपति विसर्जन के बाद स्वच्छता प्रहरीयों ने की सफाई

भिलाई। अभियान टीम स्वच्छता ही सेवा समिति भिलाई नगर के स्वच्छता प्रहरीयो ने 443 वां सप्ताह में रिसाली शीतला तालाब कल्याणी मंदिर के पास सरोवर में गणपति बप्पा के विसर्जन के पश्चात बचे हुए अवशेषो को तालाब के किनारे छोड गए थे जो यत्र तत्र फैलकर बिखरे पड़े थे जिसे एक जगह एकत्रित कर पचरी को साफ सफाई करते हुए पानी डालकर साफ सफाई करते हुए पितृपक्ष में तर्पण करने वाले लोगों के लिए सुगम बनाया गया। स्वच्छता अभियान टीम में विशेष रूप से सेवा संकल्प अभियान रिसाली के प्रभारी शैलेन्द्र शेंडे जी, नेता प्रतिपक्ष पार्षद शैलेद्र साहू जी, पार्षद विधि यादव जी, स्वच्छता अभियान टीम के अध्यक्ष प्रेमचंद साहू, संयोजक हर्षदेव साहू जी, सचिव शैलेन्द्र साहू, ज्ञानिक साहू जी, गुलाब साहू, भूपेंद्र साहू, मनोज साहू, देवेंद्र साहू, मनहरण ठाकुर, इंद्रजीत साहू, शंकर निर्मलकर आदि शामिल रहे।

CSVTU में 'ग्रीन मैन ऑफ इंडिया' डॉ. नायर का व्याख्यान, छात्रों ने बनाया NEER Club

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (CSVTU) के विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग (UTD) अंतर्गत सिविल इंजीनियरिंग एवं जल संसाधन संकाय द्वारा 29 सितंबर को पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं 'ग्रीन मैन ऑफ इंडिया' डॉ. राधाकृष्णन (आर. के.) नायर ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने 'भारतवन' और मियावाकी पद्धति से वृक्षारोपण के अपने अनुभव साझा किए और सिविल इंजीनियरिंग में पर्यावरण-अनुकूल निर्माण, वैज्ञानिक वृक्षारोपण और सतत विकास की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली और सामाजिक दायित्व के रूप में अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की खास पहल रही छात्रों द्वारा NEER (Nature, Environment and Ecology Resources) Club की स्थापना। इस क्लब के जरिए परिसर में वृक्षारोपण, जल संरक्षण, जैव विविधता और हरित परिसर से जुड़ी गतिविधियां चलाई जाएंगी। डॉ. नायर ने इस पहल की सराहना की और छात्रों को गुजरात स्थित अपनी पर्यावरणीय सुविधा के भ्रमण के लिए आमंत्रित किया।

कार्यक्रम को कुलपति प्रो. अरुण अरोरा, कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी और निदेशक UTD डॉ. पंकज कुमार मिश्रा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार सिन्हा, सुश्री संध्या गणवीर सहित संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित रहे। मंच संचालन सहायक प्राध्यापक श्रीमती अंकिता श्रीवास्तव ने किया।

दुर्ग में ब्लैक-ग्रे स्पॉट पर यातायात पुलिस का शिकंजा

सितंबर माह में 11 हजार से ज्यादा चालकों पर की गई कानूनी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए यातायात पुलिस दुर्ग ने जिले के ब्लैक स्पॉट और ग्रे स्पॉट पर विशेष चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर दिन और रात दोनों समय चेकिंग पॉइंट लगाकर कार्रवाई की जा रही है।

इस माह अब तक 11,373 पर कार्रवाई

प्रेस नोट के अनुसार 28 सितंबर 2026 तक इस माह में 11,373 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इसमें –

- बिना हेलमेट – 6672
- बिना सीट बेल्ट – 626
- शराब पीकर वाहन चलाने पर – 133
- तेज गति – 167
- लापरवाही से वाहन चलाने – 134
- दो पहिया पर तीन सवारी – 1175
- अन्य नियम उल्लंघन पर शेष कार्रवाई

पुलिस ने बताया कि अभियान लगातार जारी रहेगा।

यातायात पुलिस के मुताबिक दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में पहले हुए हादसों के समय और कारणों का विश्लेषण कर उसी समय पर चेकिंग लगाई जा रही है, ताकि तेज रफ्तार, नशे में वाहन चलाने और लापरवाही पर रोक लग सके।

यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से हेलमेट, सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने, शराब पीकर वाहन न चलाने, गति सीमा का पालन करने और लापरवाही से वाहन न चलाने की अपील की है।

बोरीगारका में रामकथा के मंच से साइबर जागरूकता कथावाचक युवराज पांडे ने ग्रामीणों को किया सतर्क

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागृति अभियान (15 अगस्त से 02 अक्टूबर) के तहत अनोखी पहल देखने को मिली। दुर्ग जिले के थाना उतई क्षेत्र के ग्राम बोरीगारका में चल रही रामकथा के दौरान राष्ट्रीय कथावाचक युवराज पांडे ने श्रद्धालुओं को साइबर अपराधों से बचाव के गुर सिखाए।

कथावाचक ने कहा कि साइबर ठग फोन कॉल, मैसेज और फर्जी लिंक भेजकर लोगों को झांसे में लेते हैं और बैंक खाते से रकम उड़ा देते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि OTP, ATM पिन, UPI पिन, पासवर्ड कभी किसी अनजान व्यक्ति से शेयर न करें। अनजान लिंक पर क्लिक न करें। अनजान कॉल से सावधान रहें। साथ ही बताया कि ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। इस दौरान उतई थाना पुलिस ने कार्यक्रम में सहयोग किया।

1 से 3 नवम्बर तक आयोजित होगा राज्योत्सव, तैयारियों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 1 से 3 नवंबर तक आयोजित होने वाले छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह की तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करने तथा विभागीय प्रदर्शनी की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने 22 अक्टूबर तक विभागवार तैयारियों एवं प्रदर्शनी की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने राज्योत्सव को केंद्रीय थीम आधारित स्वरूप में आयोजित करने पर जोर दिया। इसमें ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, मानव पूंजी विकास, विकसित भारत, अंजोर छत्तीसगढ़ जैसे विषयों के साथ भविष्य की दिशा और विकास पर फोकस रखने के निर्देश दिए।

राज्योत्सव के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा 40 राज्य स्तरीय अलंकरण एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पुरस्कारों के चयन की प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। संस्कृति विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। राज्य स्तरीय आयोजन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर (मेला ग्राउंड) नवा रायपुर अटल नगर के ग्राम-तूता में प्रस्तावित है।

विभागों को दी गई प्रमुख जिम्मेदारियां

सीएसआईडीसी, एनआरडीए, लोक निर्माण विभाग को मेला स्थल का ले-आउट, स्टॉल आंबटन, विकास प्रदर्शनी की व्यवस्था, मुख्य मंच, डोम, पंडाल, बैठक एवं बैरिकेटिंग की जिम्मेदारी दी गई है। जनसंपर्क विभाग एवं चिप्स द्वारा प्रचार-प्रसार और हाईटेक मीडिया सेंटर की व्यवस्था की जाएगी। नगर निगम रायपुर एवं एनआरडीए नागरिक सुविधाओं, सिटी बस, पेयजल एवं स्वच्छता की व्यवस्था करेंगे। जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग सुरक्षा, यातायात, पार्किंग एवं अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। स्वास्थ्य एवं ऊर्जा विभाग चिकित्सा, एंबुलेंस तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था करेंगे।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, पंचायत एवं गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, नगरीय प्रशासन विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार, मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चम्पावत, सहकारिता विभाग के सचिव डॉ.सी.आर.प्रसन्ना, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव बसवराजु एस., सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, आदिम जाति विकास विभाग के सचिव भूवनेश यादव, श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता, ग्रामोद्योग विभाग के सचिव राजेश सिंह राणा, ऊर्जा विभाग के सचिव सारांश मित्तर, रायपुर जिले के कमिश्नर एवं कलेक्टर सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

ज्ञानेश कुमार के विरोध में कांग्रेस का कलेक्ट्रेट घेराव, आयरन लेडी गुरमीत धनई हुई शामिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ की फाउंडर प्रदेश अध्यक्ष और आयरन लेडी के नाम से पहचानी जाने वाली गुरमीत धनई आज रायपुर में आयोजित कलेक्ट्रेट घेराव कार्यक्रम में शामिल हुई।

यह घेराव छत्तीसगढ़ प्रभारी एवं सांसद सुखदेव भगत की उपस्थिति में ज्ञानेश कुमार के विरोध में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की मांग को लेकर किया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट हुए और लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज बुलंद की। कांग्रेसजनों ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग प्रमुखता से रखी। इस दौरान गुरमीत धनई ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव बेहद जरूरी है और कांग्रेस पार्टी इसके लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करती रहेगी।

मजदूर-किसान एकता के नारों से गूंजा तुता, मंत्रालय मार्च में गूंजी 11 सूत्रीय मांगें

रायपुर। शहीद शंकर गुहा नियोगी के शहादत दिवस और शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर रविवार को रायपुर के तुता धरनास्थल पर सैकड़ों मजदूर, किसान, महिला, युवा और छात्र जुटे। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा - मजदूर कार्यकर्ता समिति के आह्वान पर हुए इस आयोजन के बाद मंत्रालय तक मार्च कर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। देर शाम तक धरनास्थल इंकलाबी नारों से गूंजता रहा। कार्यक्रम में नगरीय निकाय जनवादी सफाई कामगार यूनियन, मेहनतकश आवास अधिकार संघ, महिला मुक्ति मोर्चा, प्रगतिशील युवा संघ सहित कई संगठन शामिल हुए।

वक्ताओं ने उठाए ये मुद्दे -वक्ताओं मनोज कोसरे, रमाकांत बंजारे, राजिम टांडी, शालिनी गेरा, आलोक शुक्ला सहित अन्य ने कहा कि उत्पादन में केंद्रीय भूमिका के बावजूद मजदूर गरीबी, ठेका प्रथा, कम मजदूरी और असुरक्षित कार्यस्थल झेल रहा है। विशेष रूप से सफाई कामगारों की स्थिति पर चिंता जताई गई - नियमित रोजगार, उचित वेतन और सुरक्षा उपकरण की मांग उठी। साथ ही भिलाई हॉस्पिटल सेक्टर में दशकों से रह रहे मजदूर परिवारों को बेदखली नोटिस देने पर रोक लगाने की मांग की गई।

11 सूत्रीय मांगें -जीने लायक वेतन, सफाई मजदूरों को नियमित करना व सुरक्षा उपकरण, पुराने श्रम कानून लागू करना, 4 श्रम संहिता रद्द करना, शहरी गरीब बस्तियों की उजाड़ कार्रवाई रोकना, हसदेव अरण्य से बस्तर तक जंगल विनाश पर रोक, सीमेंट संयंत्रों में सीमेंट वेज बोर्ड लागू करना, MSP गारंटी कानून, भारत-अमेरिका ट्रेड डील से बाहर आना, शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार, 57 हजार शिक्षकों की भर्ती और भिलाई मजदूर आवास पर बेदखली रोकना शामिल हैं। आयोजकों ने कहा यह संघर्ष सम्मानजनक जीवन और मेहनत के उचित मूल्य का संघर्ष है और शंकर गुहा नियोगी व भगत सिंह की विरासत पर आगे बढ़ाया जाएगा।

युवा केवल नौकरी मांगने वाले ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनें : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री साय ने यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव-2026 में युवाओं और स्टार्टअप उद्यमियों से किया सीधा संवाद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की युवा शक्ति प्रदेश के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के युवा केवल रोजगार तलाशने वाले नहीं, बल्कि अपने कौशल, नवाचार और उद्यमिता के बल पर रोजगार के नए अवसर पैदा करने वाले बनें। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं, नवाचारकताओं और स्टार्टअप्स की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

राज्य सरकार युवाओं के विचारों को नवाचार और नवाचार को सफल उद्यम में बदलने के लिए आवश्यक वातावरण, अधोसंरचना, तकनीकी सहयोग और प्रोत्साहन उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक मंडपम में आयोजित तीन दिवसीय यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव-2026 में प्रदेशभर से आए विद्यार्थियों, युवा नवाचारकताओं और स्टार्टअप उद्यमियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का युवा केवल अवसर की प्रतीक्षा करने वाला युवा नहीं है, बल्कि अपनी प्रतिभा से नए अवसर गढ़ने का सामर्थ्य रखता है। सरकार का दायित्व है कि उसके विचार को सही मंच, तकनीकी सहयोग, वित्तीय सहायता और अनुकूल नीतिगत वातावरण मिले। इसी सोच के साथ राज्य में स्टार्टअप और इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत किया जा रहा है।

युवाओं के विचारों को व्यवसाय में बदलने में राज्य सरकार की भूमिका से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के बेटे-बेटियों को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण योजना पर काम किया जा रहा है। इसके लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सहित केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति-2024 में भी नए उद्यमियों के लिए अनेक प्रोत्साहन रखे गए हैं। महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांगजनों सहित विभिन्न वर्गों की उद्यमिता को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर अधिक रोजगार सृजित करने वाले उद्योगों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं से कहा कि वे नई औद्योगिक नीति का गंभीरता से अध्ययन करें और उसमें उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं। प्रदेश में नए औद्योगिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं। सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, ताकि उद्योग लगाने के इच्छुक युवाओं और निवेशकों को अलग-अलग कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद प्रदेश को अब तक लगभग 8 लाख 23 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। निवेश की यह प्रक्रिया केवल प्रस्तावों तक सीमित नहीं है, बल्कि अनेक परियोजनाओं पर धरातल पर कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब परंपरागत उद्योगों के साथ-साथ ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, टेक्सटाइल और अन्य उभरते क्षेत्रों में भी निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रदेश की प्राकृतिक संपदा, ऊर्जा क्षमता, देश के मध्य में स्थित भौगोलिक स्थिति तथा लगातार मजबूत हो रही सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी निवेश और उद्यमिता के लिए छत्तीसगढ़ की संभावनाओं को और सशक्त बना रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प देश के सामने रखा है। इसी संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ भी विकसित राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को लगभग 75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रदेश के युवाओं, किसानों, उद्यमियों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से पूरा होगा। विशेष रूप से नई पीढ़ी को टेक्नोलॉजी, रिसर्च, इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप के क्षेत्र में आगे आना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर-विशाखापट्टनम सहित महत्वपूर्ण मार्गों और अन्य कनेक्टिविटी परियोजनाओं के विस्तार से छत्तीसगढ़ की देश के प्रमुख आर्थिक केंद्रों तक पहुंच और बेहतर होगी। इसका सीधा लाभ उद्योग, व्यापार, कृषि, पर्यटन और रोजगार के क्षेत्र में मिलेगा। युवाओं के साथ संवाद के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने कृषक परिवार और गांव बगिया से जुड़े अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि वे किसान परिवार से आते हैं और स्वयं खेती-किसानी, हल चलाने तथा पशुपालन के कार्यों से जुड़े रहे हैं। इसलिए कृषि क्षेत्र की चुनौतियों के साथ उसमें छिपी संभावनाओं को भी वे निकटता से समझते हैं।

मुस्लिम समाज को शिक्षा, कौशल और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर - डॉ. सलीम राज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस वार्ता में मदरसा शिक्षा, नई शिक्षा नीति, अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों और मुस्लिम समाज के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के चेयरमैन मोहम्मद शादाब शम्स भी मौजूद रहे।

डॉ. सलीम राज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ मुस्लिम समाज सहित सभी पात्र नागरिकों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज के बच्चों का भविष्य शिक्षा और कौशल से जुड़ा है। आज ऐसी शिक्षा की जरूरत है जिसमें दीनी शिक्षा के साथ कंप्यूटर, विज्ञान, गणित, अंग्रेजी और रोजगारपरक कौशल भी हो। उन्होंने पीएम मोदी के "एक हाथ में कुरान और दूसरे हाथ में कंप्यूटर" वाले विजन का उल्लेख किया।

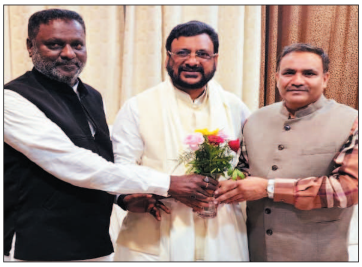

डॉ. राज ने कहा कि युवाओं को केवल नौकरी तलाशने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उद्यमिता और स्वरोजगार से आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहिए। उन्होंने मुस्लिम महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक भागीदारी को भी महत्वपूर्ण बताया। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड चेयरमैन शादाब शम्स ने उत्तराखंड में मदरसा शिक्षा में किए गए आधुनिक बदलावों का हवाला दिया और कहा कि इसके अनुभवों पर दूसरे राज्य भी विचार कर सकते हैं।

प्रेस वार्ता में छत्तीसगढ़ में मदरसा शिक्षा को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने और युवाओं को कौशल-रोजगार से जोड़ने की कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। डॉ. राज ने कहा कि लक्ष्य होना चाहिए कि मुस्लिम समाज का बच्चा अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और उद्यमी बनकर विकसित भारत में योगदान दे।

सरपंच की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

फरसगांव। बड़ेडोंगर थाना क्षेत्र के ग्राम मोहपाल दिगानार के सरपंच मंगल सिंह मरकाम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। सरपंच मोहपाल से कारागांव जाने वाले मार्ग पर श्मशान घाट और तालाब के पास संदिग्ध अवस्था में पड़े मिले।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम के लगातार प्रयासों से छग के किसानों को केंद्र की बड़ी सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रीय कृषि मंत्रियों के सम्मेलन रबी अभियान 2026 के अवसर पर 28-29 सितंबर को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने छत्तीसगढ़ के कृषि क्षेत्र और किसानों के हित में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत कुल 181.99 करोड़ रुपये की द्वितीय मद की राशि जारी किए जाने की जानकारी देते हुए मंत्री रामविचार नेताम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

गौरतलब है कि कृषि मंत्री राम विचार नेताम के निरंतर प्रयासों से प्रदेश के किसानों को समृद्धि मिल रही है। भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को जारी 181.99 करोड़ रुपये में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत 91.20 करोड़ रुपये तथा कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत 90.79 करोड़ रुपये शामिल हैं। इस राशि से राज्य में कृषि से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों को गति मिलेगी तथा किसानों को इसका लाभ प्राप्त होगा।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने पत्र में कहा है कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने तथा राज्यों के साथ मिलकर कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार इस राशि का समयबद्ध एवं प्रभावी उपयोग करते हुए राज्य के किसानों तक इसका अधिकतम लाभ पहुंचाएगी। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के कृषि विकास और किसानों के हित में जारी इस राशि के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम रिसाली

(संपत्तिकर विभाग)

स.क.वि./2026-27/433 दिनांक 21/09/2026

// स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना //

इस इंश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही हो एहद द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका की नगर पालिक निगम रिसाली के सम्पत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है। यदि किसी को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

क्र	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तां. का स्वरूप	सम्पत्ति की स्थिति
1.	राजिव कुमार मौर्य / पिता श्री जोखन मौर्य, पता-373/1, सड़क नं. 03, प्रगति नगर, रिसाली भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती शिखा पाण्डेय / पति श्री प्रफुल्ल कुमार तिवारी, पता मनमोहन वस्त्रालय, किसान चौक जामगांव आर, तह. पाटन व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं. 30 प्रगति नगर रिसाली अन्दर भाग, प.ह.नं. 49, ख.नं. 1000/7, कुल रकबा 2350 वर्गफीट है।
2.	(1) श्रीमती स्वाति परमार / पति श्री आशुतोष सिंह परमार (2) श्री आशुतोष सिंह परमार/पिता स्व. कोमल सिंह परमार, पता म.नं. 372/2, सड़क 3/एल, छाया गार्डन, प्रगति नगर रिसाली भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	(1) श्री राजेश कुमार सिंह/पिता श्री स्वामी नाथ सिंह (2) आदित्य सिंह/पिता श्री राजेश कुमार सिंह, पता म.नं. 244/ई, रिसाली सेक्टर रिसाली भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	रिसाली वार्ड नं. 23, प्रगति नगर रिसाली प.ह.नं. 49, ख.नं. 282/26, कुल रकबा 1250 वर्गफीट है।
3.	(1) हुकुम सिंह धपवाल/पिता स्व. उत्तम सिंह धपवाल (2) सविता धपवाल/पति श्री हुकुम सिंह धपवाल, पता- म.नं. डहलिया 288, बी-ब्लॉक, ट्वीन सिटी तालपुरी रूआबांधा भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बबिता सिंह/पति श्री नागेन्द्र कुमार सिह, पता-क्वा. नं. 05/डी, सड़क नं. 11, सेक्टर 04, भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं. 01 तालपुरी, ख.नं. 40, भूखण्ड/भवन नं. डेहलिया भवन क्रमांक 288, ब्लाक-बी, कुल रकबा 1162.08 वर्गफीट है।
4.	(1) श्रीमती कंचन कक्कड़/पति स्व. गिरीश कक्कड़ खुद तथा बहैसियत आम मुख्यतार तरफ से (2) गरिमा कक्कड़/पिता स्व. गिरीश कक्कड़ (3) विनायक कक्कड़ / पिता स्व. गिरीश कक्कड़, सभी निवासी ई-607, औरा एवन्यू खानपुर, खरार, एस ए एस नगर मोहाली पंजाब	कपिल कुमार कक्कड़ पिता स्व. राधेश्याम कक्कड़, पता- 1-ए, जैन मंदिर के पास, प्रगति नगर रिसाली भिलाई, सिविक सेंटर भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	वारिसाना हकत्याग	रिसाली वार्ड नं. 23, प्रगति नगर रिसाली वार्ड, प.ह.नं. 49, ख.नं. 340/7, कुल रकबा 1250 वर्गफीट है।

उक्त संबंध में अंतरण के पूर्व इश्तहार जारी किया जाता है, जिसमें संबंधिती द्वारा प्रकाशन एवं नामांतरण शुल्क जमा किया गया है। अतः समााचार पत्र में प्रकाशन हेतु आदेशार्थ प्रस्तुत।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम रिसाली

दीपा सोनी को महिला ब्रिगेड रायपुर शहर की कमान, हिन्द सेना ने बनाया कार्यकारी अध्यक्ष

संगठन विस्तार की जिम्मेदारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

हिन्द सेना समाजसेवी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्रालय सदस्य मंगेश वैद्य ने वरिष्ठ महिला समाजसेवी दीपा सोनी को महिला ब्रिगेड रायपुर शहर का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति मध्य प्रदेश युवा ब्रिगेड प्रदेश संगठन मंत्री डॉ. रचना लोंगिया की अनुशंसा पर की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दीपा सोनी को देशहित और समाजसेवा के संकल्प के साथ संगठन को मजबूत करने के निर्देश दिए।

नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष दीपा सोनी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मंगेश वैद्य, डॉ. रचना लोंगिया सहित संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि हिन्द सेना मानव एकता, सामाजिक सेवा और महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य करेगी। आगामी माह रायपुर शहर के सभी विधानसभा क्षेत्रों, ब्लॉक और वार्डों का दौरा कर जमीनी स्तर पर सक्रिय एवं समर्पित नेतृत्वकताओं को संगठन से जोड़ा जाएगा।

दीपा सोनी की नियुक्ति पर कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रभान सिंह परिहार, पर्यावरण संरक्षण विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रामदयाल मीणा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री योगेश वैद्य एवं संजीव मल्होत्रा, महिला ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष रत्नावली कौशल, युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू, छात्र ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप सिंह, मानवाधिकार सेल राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह, भ्रष्टाचार निरोधक सेल राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गोपालकृष्णन, आईटी सेल कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री धीरज सोनकुसरे, राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रो. प्रीतम सिंह एवं जुगल किशोर ने बधाई दी।

इसके अलावा छत्तीसगढ़ प्रदेश मुख्य संयोजक तरुण नाथ योगी, छत्तीसगढ़ प्रदेशाध्यक्ष अधिवक्ता नितिन ठक्कर, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष एवं एल्डरमैन संजय साहू, प्रदेश महामंत्री नरेश भोयर, प्रदेश संगठन मंत्री चंचल देवांगन, महिला ब्रिगेड कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष लक्ष्मी चौहान, युवा ब्रिगेड कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष खगेन्द्र मल्होत्रा, युवा ब्रिगेड प्रदेश प्रवक्ता एवं बस्तर जिलाध्यक्ष दिलीप गुहा सहित हिन्द सेना के अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भी शुभकामनाएं दीं।

संपादकीय

दिल्ली में एकजुटता और राज्यों में आमने-सामने

राजनीति देश की अलग होती है और राज्यों की अलग होती है ।यह कड़वी सच्चाई है। इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। विपक्ष के ज्यादातर राजनीतिक दल दो तरह की राजनीति करते हैं, वह देश की राजनीति में एकजुट होने प्रयास करते हैं, बैठक करते हैं और साबित करने का प्रयास भी करते हैं कि वह देश की राजनीति में भाजपा व मोदी सरकार को हराने के लिए एकजुट हैं। जैसे ही राज्यों के चुनाव होते हैं तो उनकी यह एकजुटता हमेशा सवालों के घेरे में होती है,तब राज्य की राजनीति में अपना हित सबसे प्रमुख हो जाता है और एकजुटता को सब भूल जाते हैं ।भूल जाते हैं कि देश की राजनीति में भाजपा व पीएम मोदी को हराना है, राज्य के चुनाव में एक ही बात याद रहती है कि सबसे ज्यादा सीटों पर हमको चुनाव लड़ना है और राज्य में एक नंबर नहीं तो दो नंबर की पार्टी बने रहना है।

राज्यों के चुनाव का एक दौर समाप्त हो चुका है और फिर से 2027 में चुनाव का एक दौर शुरू होने वाला है। जिन राज्यों में चुनाव हुए हैं वहां के हारे हुए राजनीतिक दलों को हारने के बाद राहुल गांधी व कांग्रेस की तरह यकीन हो गया है कि चुनाव आयोग ही भाजपा को चुनाव में जीता देता है, हम चुनाव हारे नहीं है हमको तो चुनाव में चुनाव आयोग ने हराया है,चुनाव आयोग ने भाजपा को जिताने के लिए निष्पक्ष चुनाव नहीं कराया है। कोई मान नहीं रहा है कि अपनी कमजोरियों के कारण चुनाव हारे हैं। वोट चोरी हुई है इसलिए चुनाव हारे हैं। हर चुनाव में वोट चोरी हो रही है,इसलिए भाजपा जीत रही है और विपक्ष के दल हार रहे हैं ।कोई पूछे कि वोट चोरी कैसे हुई है तो कोई बता नहीं पाता है ।जनता को समझ नहीं आ रहा है कि उसका वोट कैसे चोरी हुआ है और जनता को कोई समझा नहीं पा रहा है कि वोट चोरी कैसे हो रहा है। हो रहा है तो देश के सारे राजनीतिक दल क्या कर रहे हैं, उनको पता है तो रोक क्यों नहीं रहे हैं।

विपक्ष को वोट चोरी हो रही है तो उसका पहला काम तो एकजुट होकर वोट चोरी को रोकने का होना चाहिए। इस काम को वह जरूरी नहीं मानता है, उसके लिए सबसे जरूरी काम है कि चुनाव आयोग पर आरोप लगाने के लिए एकजुट होना। उसने तय किया है कि 30 सिंतबर को चुनाव आयोग पर एकजुट होकर आरोप लगाने के लिए बैठक की जाएगी। हमेशा की तरह बैठक मे एकजुट होने का दिखावा किया जाएगा। बयान जारी किया जाएगा कि हम चुनाव आयोग पर आरोप लगाने के लिए एकजुट हैं। हम मानते हैं कि हम चुनाव हारे नहीं है, हमको चुनाव आयोग ने भाजपा को चुनाव जीताने के लिए चुनाव में गड़बड़ी कर हराने का काम किया है। विपक्ष के ज्यादातर दलों का एक ही तो दुख है कि वह चुनाव हार गए हैं। चुनाव हारने का मतलब होता है कि जनता ने भरोसा नहीं किया लेकिन विपक्ष के दल कैसे अपने मुंह से कहे कि जनता ने उनपर भरोसा नहीं किया ।इसलिए मजबूरी में उनको यह झूठ कहना पड़ रहा है कि हम पर तो जनता भरोसा करती है लेकिन वोट चोरी कर हमको हराया गया है।

फिर सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब चुनाव आयोग उनको वोट चोरी कर हराता है तो सभी राज्यों के चुनाव में क्यों नहीं हराता है ।जम्मू कश्मीर, झारखंड, पंजाब, हिमाचल, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल में कैसे विपक्षी दल चुनाव जीत जाते हैं। 24 के लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग भाजपा को चौर सौ के पार क्यों नहीं कर पाता है,यूपी में भाजपा कैसे कम सीटे लाती हैं। भाजपा क्यों 240 सीट पर अटक जाती है ।विपक्ष को मालूम है कि दिल्ली की एकजुटता का कोई मतलब नहीं है क्योंकि देश का चुनाव तो अभी होना नहीं है लेकिन चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुटता का प्रदर्शन करना है इसलिए 30 सितंबर को दिल्ली बैठक होगी और साथ ही यूपी में कांग्रेस व सपा के बीच सीटों को लेकर अघोषित लड़ाई भी चलती रहेगी।

कायदे से एकजुटता तो राज्यों में होनी चाहिए, विपक्षी दलों की हार का एक बड़ा कारण राज्यों के चुनाव मे एकजुट न होना रहा है लेकिन इसे कोई स्वीकार नहीं करता है ।यहां तो बड़ा भाई व छोटा भाई की लड़ाई होती है। क्षेत्रीयदल कांग्रेस को सहयोग बनाए रखना चाहते हैं और कांग्रेस दिल्ली की राजनीति में बड़ा भाई होने के कारण राज्यों में अब कम सीटें नहीं आधी सीटें मांग रही है ।कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि उसे यूपी में 150 सीटें चाहिए। अब सपा के सुप्रीमो अखिलेश यादव कह नहीं सकते कि इतनी सीटें तो देंगे नहीं लेकिन इशारों में यह संदेश तो दे ही सकते हैं कि राज्य में कांग्रेस की हैसियत नहीं है कि वह 150 सीटों पर चुनाव लड़े और जीत सके ।अंत में होगा क्या,होगा वही जो बिहार में हुआ। कांग्रेस व राजद दोनों चुनाव हारे। होगा वही जो बंगाल में हुआ टीएमसी भी हारी और कांग्रेस भी हारी।

विश्व हृदय दिवस : आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी

ललित गर्ग

हृदय केवल शरीर का एक अंग नहीं, जीवन की धड़कन है। जब तक दिल धड़कता है, तब तक जीवन में उम्मीद, संवेदना, प्रेम और कर्म की संभावनाएं बनी रहती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि आधुनिक सभ्यता ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, पर स्वस्थ और संतुलित बनाने में हम पीछे छूटते जा रहे हैं। हमारी तेज रफ्तार जिंदगी, तनाव, अनियमित दिनचर्या, खान-पान की बदलती आदतें, शारीरिक निष्क्रियता और निरंतर बढ़ती मानसिक बेचैनी हृदय पर ऐसा दबाव डाल रही हैं, जिसका परिणाम हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के रूप में सामने आ रहा है। हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महासंघ के अनुसार हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं और प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है—हृदय रोग कई बार सामने दिखाई नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

मैंने अपने पूर्व के आलेख ह्यभारतीय दिल खतरे मेंह्न और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे दिल के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं जो कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी है कि हमने अपनी जीवनशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों बना दिया है?

आज सुविधा ने श्रम को कम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने की आदत का कम होना, देर रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से दूर होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित करता है। दूसरी ओर स्वाद और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई रक्तशर्करा और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिनता है। लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव, प्रतिस्पर्धा, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बेचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव पैदा करती है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मकानों को बड़ा किया, लेकिन मन को छोटा कर लिया; साधन बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है।

इसलिए हृदय की चिकित्सा केवल अस्पताल में नहीं, जीवनशैली में भी खोजनी होगी। सुबह की सैर, नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम, ध्यान, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और नशे से पूर्ण दूरी हृदय की सुरक्षा के सामान्य लेकिन अत्यंत प्रभावी उपाय हैं। भोजन में प्राकृतिक एवं पौष्टिक पदार्थों, फल-सब्जियों और साबुत अनाज को स्थान देना तथा अत्यधिक नमक, चीनी और संतृप्त वसा को सीमित करना जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जीवनशैली में ऐसे बदलाव तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और रक्त में बढ़े वसा का समय रहते उपचार हृदयाघात और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है—समय रहते जांच। हृदय रोग कई बार अचानक सामने आता हुआ दिखाई देता है, जबकि उसके जोखिम कारक वर्षों से शरीर में विकसित हो रहे होते हैं। रक्तचाप, रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अन्य जांचों को उम्र और जोखिम के अनुरूप नियमित रूप से कराना चाहिए। सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, असामान्य पसीना, चक्कर या दर्द का हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक जाना जैसे संकेतों को सामान्य थकान मानकर टालना खतरनाक हो सकता है। हृदयाघात में समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है; शीघ्र चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक हो सकती है।

यहां चिकित्सा विज्ञान के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज जब हृदय रोग समाज के इतने बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं, तब हमें और अधिक सुलभ, सस्ती, शीघ्र पहचान करने वाली और प्रभावी स्वास्थ्य-तकनीकों की आवश्यकता है। ऐसी जांच-पद्धतियां विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में हृदय संबंधी जोखिमों की पहचान कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरणों और आधुनिक निदान तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुंचना चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने से पहले उसके खतरे को पहचानना भी होना चाहिए।

सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हृदय स्वास्थ्य को केवल अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत बनाकर रक्तचाप, मधुमेह और हृदय जोखिम की नियमित जांच को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहन मिले। शहरों में पैदल चलने और साइकिल चलाने के सुरक्षित मार्ग बढ़ें। तंबाकू नियंत्रण, स्वस्थ खाद्य विकल्पों को बढ़ावा, अत्यधिक नमक एवं अस्वास्थ्यकर वसा को कम करने के प्रयास और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को हृदय स्वास्थ्य की व्यापक नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जनस्वास्थ्य नीतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और जोखिम कारकों के नियंत्रण को हृदय रोगों की रोकथाम का महत्वपूर्ण आधार मानता है।

इसके साथ ही सरकारों को हार्ट हेल्थ इंडिया अभियान जैसे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विचार करना चाहिए, जिसमें गांव से महानगर तक निःशुल्क या सस्ती हृदय-जांच, रक्तचाप एवं मधुमेह स्क्रीनिंग, जीवनशैली परामर्श, आपातकालीन हृदय उपचार की जानकारी और पुनर्वास सेवाओं को जोड़ा जा सके। कंपनियों और संस्थानों में भी कर्मचारियों के लिए हेल्दी हार्ट कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। सामाजिक संस्थाएं, विद्यालय, धार्मिक संगठन और मीडिया मिलकर इसे जन-आंदोलन का रूप दे सकते हैं। दरअसल, हृदय की रक्षा केवल डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। परिवार अपने भोजन और दिनचर्या को बदल सकता है, विद्यालय बच्चों में स्वस्थ आदतें विकसित कर सकते हैं, कार्यालय शारीरिक सक्रियता के अवसर दे सकते हैं और सरकार ऐसी नीतियां बना सकती है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान एवं सुलभ बनाएं।

विश्व हृदय दिवस केवल एक दिन की औपचारिक जागरूकता का अवसर न बने। यह हमें अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर दे। हमें यह समझना होगा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किसी चमत्कार की प्रतीक्षा नहीं करनी है; छोटे-छोटे सही निर्णय ही बड़े परिणाम देते हैं। आज आधा घंटा चलना, आज भोजन में संयम रखना, आज तनाव को कम करना, आज धूम्रपान को छोड़ना, आज अपनी जांच कराना—ये छोटे कदम कल किसी बड़े संकट को रोक सकते हैं।

हृदय की धड़कन हमें हर क्षण एक संदेश देती है—जीवन अनमोल है, इसे असंतुलित जीवनशैली के हवाले मत करो। आधुनिकता अपनाएं, लेकिन प्रकृति से संबंध न तोड़ें; सुविधाएं लें, लेकिन श्रम को जीवन से बाहर न करें; सफलता पाएं, लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं।

विश्व हृदय दिवस पर संकल्प यही हो—दिल को केवल धड़कने नहीं, स्वस्थ, शांत और प्रसन्न रहने दें। क्योंकि स्वस्थ हृदय ही स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है।

देह चली गई, स्वर रह गया — लता मंगेशकर होने का अर्थ यही है

आरके जैन

कुछ आवाजें सुनी नहीं जातीं—वे भीतर कहीं घटित होती हैं। वे कानों की देहरी लाँघकर स्मृतियों में उतरती हैं और फिर समय बीतने के साथ धुँधली होने के बजाय और उजली होती जाती हैं। लता मंगेशकर का स्वर ऐसी ही विलक्षण अनुभूति था। उन्होंने सुरों को केवल गाया नहीं, उन्हें भारतीय मन की धड़कन बना दिया। 28 सितंबर 1929 को इंदौर के एक साधारण मराठी परिवार में जन्मी हेमा को पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर ने लता नाम दिया (पिता के नाटक भावबंधन की पात्र लतिका के नाम पर)। तब यह एक बच्ची का नाम था; आगे चलकर यही नाम भारतीय संगीत की सबसे उजली पहचान बन गया। पाँच वर्ष की उम्र में पिता के नाटकों से शुरू हुआ अभिनय धीरे-धीरे संगीत की ऐसी साधना में बदल गया, जिसने अंततः एक पूरे युग की ध्वनि रच दी।

जिस उम्र में सपने आकार लेते हैं, उसी उम्र में लता के कंधों पर परिवार की जिम्मेदारी आ गई। 1942 में तेरह वर्ष की उम्र में पिता का निधन हुआ। रोटी की चिंता थी, भविष्य अनिश्चित था और संघर्ष उम्र से बड़ा। लता ने परिस्थितियों के आगे झुकने के बजाय अपनी आवाज को सहारा बनाया। मराठी फिल्म किटी हसाल (1942) में उनका पहला गीत रिकॉर्ड हुआ (हालाँकि बाद में फिल्म के फाइनल कट से हटा दिया गया), लेकिन हिंदी सिनेमा की राह आसान नहीं थी। नूरजहाँ और शमशाद बेगम जैसी दमदार आवाजों के बीच उनकी कोमल आवाज को पतली कहकर नकार दिया गया। उन्होंने जवाब बहस से नहीं, रियाज से दिया। 1948 की फिल्म मजबूर में गुलाम हैदर द्वारा दिए गए गीत दिल मेरा तोड़ा से भी उन्हें महत्वपूर्ण पहचान मिली। फिर 1949 में महल का आएगा आनेवाला आया और उसी आवाज ने हिंदी पार्श्वगायन की दिशा बदल दी।

एक ही आवाज प्रेम, विरह और प्रार्थना—तीनों को अपना रूप दे सके, तो उसकी व्यापकता समझी जा सकती है। लता का स्वर किसी एक भाव तक सीमित नहीं था। लग जा गले में प्रेम, तेरे बिना ज़िंदगी से में रिश्तों की कसक और आजा रे परदेसी में विरह की तड़प थी। ज्योति कलश छलके और ओ पालनहारे में वही स्वर भक्ति बन गया। वे केवल गीत नहीं गाती थीं, उसके भाव को स्वर देती थीं। 1962 के चीन युद्ध के बाद, 26 जनवरी 1963 को गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में ए मेरे वतन के लोगों ने राष्ट्रीय भावना को आवाज दी। जवाहरलाल नेहरू की आँखें नम हुईं और पूरा देश भावुक हो उठा। उस क्षण लता केवल गायिका नहीं रहीं; उनकी आवाज राष्ट्र की साझा संवेदना बन गई।

लता की महानता केवल उनकी आवाज में नहीं, उस आवाज के पीछे की साधना में थी। वे स्टूडियो समय से पहले पहुँचतीं, गीत के हर शब्द को समझतीं और उसे गाने से पहले भीतर उतारती थीं। उनके लिए सुर तकनीक नहीं, साधना था। वे स्टूडियो को मंदिर मानती थीं और अक्सर नंगे पाँव गीत रिकॉर्ड करती थीं। नौशाद, मदन मोहन, शंकर-जयकिशन और आर.डी. बर्मन जैसे संगीतकारों के साथ उनका रिश्ता केवल काम तक सीमित नहीं रहा; उनकी रचनात्मकता एक-दूसरे का विस्तार बनी। छत्तीस से अधिक भाषाओं में तीस हजार से अधिक गीतों का सफर भारतीय संगीत पर उनकी अमिट छाप है। हिंदी सिनेमा को व्यापक पहचान देने के साथ उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं में भी अपनी गहरी उपस्थिति दर्ज की, जिसकी गूँज आज भी सुनाई देती है।

कुछ दीवारें आवाज से नहीं, लगातार मौजूदगी से गिरती हैं। लता ने भी यही किया। जिस दौर में महिला कलाकारों के लिए सीमाएँ तय थीं, उन्होंने बिना शोर उन सीमाओं को पार किया। उनकी कोमल आवाज ने बता दिया कि ताकत ऊँचा बोलने में नहीं, असर छोड़ने में होती है। लाखों लड़कियों के लिए वे प्रेरणा बनीं कि कठिन परिस्थितियों में प्रतिभा और परिश्रम रास्ता बना सकते हैं। अपार सम्मान और वैभव के बावजूद उनकी सादगी बनी रही। वे कहती थीं, मेरा सबसे बड़ा पुरस्कार जनता का प्यार है। पद्म भूषण (1969), पद्म विभूषण (1999), दादा साहब फाल्के पुरस्कार (1989), भारत रत्न (2001) और फ्रांस का लीजन ऑफ ऑनर (2009) उन्हें मिले, लेकिन उनकी पहचान इन सम्मानों से कहीं बड़ी रही।

कुछ विदाइयाँ केवल एक व्यक्ति को दूर करती हैं, कुछ पूरे युग की धड़कन थाम देती हैं। 6 फरवरी 2022 को लता मंगेशकर के निधन पर ऐसा ही लगा, जैसे भारतीय संगीत की एक अनुपम धारा रुक गई हो। लेकिन महान स्वर मृत्यु के साथ समाप्त नहीं होते, वे स्मृतियों में जीवित रहते हैं। आज भी किसी पुराने गीत की पहली पंक्ति सुनते ही उनकी आवाज भीतर उतर जाती है—कभी माँ की ममता बनकर, कभी मंदिर की घंटी-सी पवित्रता लेकर, तो कभी राग की गहराई बनकर। देह चली गई, लेकिन स्वर आज भी घरों, रेडियो और दिलों में जीवित है। पीढ़ियाँ बदलेंगी, समय आगे बढ़ेगा, मगर लता की आवाज हर दौर में लौटती रहेगी। शायद अमरता यही है—देह का चले जाना और स्वर का रह जाना।

लता मंगेशकर की जयंती उनके विराट योगदान को याद करने का अवसर है—उस स्वर-साम्राज्य का, जिसका कोई सिंहासन नहीं था, फिर भी करोड़ों दिलों पर उसका राज था। उनका जीवन बताता है कि कलाकार केवल उपलब्धियों से बड़ा नहीं होता; वह तब मानक बनता है, जब उसकी साधना और प्रतिभा समय की कसौटी पर खरी उतरती है। उन्होंने गायन को सुर-ताल से आगे भावों की ऐसी भाषा दी, जिसे पीढ़ियों ने अपने जीवन में महसूस किया। कठोर रियाज, अनुशासन और सादगी उनकी साधना की पहचान रहे। हजारों गीतों में भारतीय जीवन के अनगिनत रंग समाए और पार्श्वगायन को नई ऊँचाई मिली। संगीत के रूप बदलेंगे, सुनने के ढंग बदलेंगे, लेकिन लता मंगेशकर का योगदान भारतीय संगीत की बुनियाद में दर्ज रहेगा। उन्होंने केवल गीत नहीं गाए; उन्होंने भारतीय मन को गुनगुनाने की एक स्थायी भाषा दे दी।

दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने की ओर भारत

महेन्द्र तिवारी

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर वैश्विक संस्थाओं का दृष्टिकोण तेजी से बदल रहा है। कुछ महीने पहले जिन अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने ऊँची ऊर्जा कीमतों, वैश्विक अनिश्चितता और भू राजनीतिक तनाव के कारण भारत की विकास दर का अनुमान घटा दिया था, वही एजेंसियां अब वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने अनुमान बढ़ा रही हैं। प्रमुख रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर का अनुमान 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। अन्य वैश्विक संस्थानों ने भी निवेश, घरेलू खपत और विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती के आधार पर अपने आर्थिक आकलनों में सुधार किया है।

यह बदलाव केवल आंकड़ों का संशोधन नहीं है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था की उस संरचनात्मक क्षमता का संकेत है जिसने अनेक वैश्विक चुनौतियों के बावजूद विकास की गति बनाए रखी है। जब दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं धीमी वृद्धि, महंगाई और व्यापारिक अनिश्चितता से जूझ रही हैं, तब भारत का लगातार तेज गति से आगे बढ़ना उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन बना रहा है। सकल घरेलू उत्पाद किसी देश की आर्थिक गतिविधियों का सबसे व्यापक मापदंड माना जाता है। इसमें कृषि, उद्योग, सेवा, निर्माण, परिवहन, व्यापार और विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में एक वर्ष के दौरान उत्पन्न कुल मूल्य को शामिल किया जाता है। विकास दर बढ़ने का अर्थ यह नहीं कि हर नागरिक तुरंत समृद्ध हो जाएगा, बल्कि इसका संकेत यह है कि उत्पादन, निवेश, रोजगार और आय सृजन की क्षमता मजबूत हो रही है। यही कारण है कि वैश्विक निवेशक और रेटिंग एजेंसियां विकास दर को किसी भी अर्थव्यवस्था की सेहत का महत्वपूर्ण संकेतक मानती हैं।

भारत के पक्ष में सबसे बड़ा कारण उसकी मजबूत घरेलू मांग है। लगभग 140 करोड़ की आबादी वाला देश एक विशाल उपभोक्ता बाजार प्रदान करता है। जब वैश्विक निर्यात में उतार चढ़ाव आता है, तब भी घरेलू खपत भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखती है। हाल के महीनों में शहरी उपभोग, खुदरा बिक्री, आवास क्षेत्र और सेवा गतिविधियों में सुधार देखने को मिला है। कम आधारभूत महंगाई और परिवारों की बढ़ती आय ने उपभोग को सहारा दिया है। यही कारण है कि कई अर्थशास्त्री भारत को बाहरी झटकों के मुकाबले अपेक्षाकृत अधिक लचीली अर्थव्यवस्था मान रहे हैं।

विनिर्माण क्षेत्र भी इस सकारात्मक बदलाव का प्रमुख आधार बनकर उभरा है। पिछले कुछ वर्षों में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण, सेमीकंडक्टर परियोजनाओं और औद्योगिक गलियारों पर विशेष बल दिया गया है। इसका परिणाम यह हुआ कि अनेक वैश्विक कंपनियों ने भारत को केवल बाजार नहीं, बल्कि उत्पादन केंद्र के रूप में देखना शुरू किया है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, ऑटोमोबाइल पुर्जे और रक्षा सामग्री के निर्माण में उल्लेखनीय विस्तार दर्ज किया गया है। इससे रोजगार और निर्यात दोनों को नई गति मिलने की संभावना बढ़ी है।

पहली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि लगभग 7.8 प्रतिशत रही, जिसने अधिकांश विश्लेषकों के अनुमान को पीछे छोड़ दिया। निवेश मांग, निर्माण गतिविधियों और सेवा क्षेत्र की मजबूती ने इस प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यही आंकड़ा वैश्विक एजेंसियों के लिए सबसे बड़ा संकेत बना कि भारत की आर्थिक गति अनुमान से कहीं अधिक मजबूत है। परिणामस्वरूप मूडीज सहित कई संस्थानों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने अनुमान संशोधित किए।

सार्वजनिक पूंजीगत व्यय भी इस कहानी का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। केंद्र सरकार ने सड़क, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डों, जलमार्गों और डिजिटल अवसंरचना पर बड़े पैमाने पर निवेश जारी रखा है। वित्त वर्ष 2027 के बजट में भी पूंजीगत व्यय को उच्च प्राथमिकता दी गई है तथा राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य केवल तत्काल रोजगार पैदा करना नहीं, बल्कि दीर्घकाल में उत्पादकता और निजी निवेश के लिए आधार तैयार करना है।

सेवा क्षेत्र भारत की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बना हुआ है। सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल सेवाओं ने लगातार वृद्धि दर्ज की है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन सेवाओं के विस्तार ने नई आर्थिक गतिविधियों को जन्म दिया है। भारतीय कंपनियां वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही हैं, जिससे विदेशी निवेशकों का विश्वास भी बढ़ा है। कृषि क्षेत्र को लेकर भी आशावाद और सावधानी दोनों मौजूद हैं। एक ओर कृषि उत्पादकता में सुधार, सिंचाई विस्तार और प्रौद्योगिकी आधारित खेती के प्रयास जारी हैं, वहीं दूसरी ओर कमजोर मानसून और अल नीनो जैसी मौसमी परिस्थितियां खाद्य उत्पादन को प्रभावित कर सकती हैं। यदि खाद्यान्न उत्पादन पर असर पड़ता है तो खाद्य महंगाई बढ़ सकती है, जिसका प्रभाव ग्रामीण आय और उपभोग दोनों पर पड़ेगा। इसलिए विकास दर के साथ कृषि स्थिरता भी समान रूप से महत्वपूर्ण बनी हुई है।

वैश्विक एजेंसियों ने भारत की प्रशंसा करते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि जोखिम पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए तेल महंगा होने पर परिवहन, उर्वरक और उत्पादन लागत पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि भारत ने पिछले वर्षों में अपने कच्चे तेल के आयात स्रोतों में विविधता लाई है और उसके पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार भी मौजूद है, जो ऐसे झटकों से आंशिक सुरक्षा प्रदान करता है। राजकोषीय अनुशासन भी भारत की आर्थिक विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण आधार है। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियां केवल विकास दर नहीं देखतीं, बल्कि यह भी मूल्यांकन करती हैं कि सरकार कितना कर्ज ले रही है, घाटा कितना है और भविष्य में ऋण चुकाने की क्षमता कैसी रहेगी। मूडीज ने भारत की स्थिर रेटिंग बनाए रखते हुए यह माना है कि सरकार धीरे धीरे राजकोषीय घाटा कम करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इससे निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है क्योंकि स्थिर सार्वजनिक वित्त दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए आवश्यक माना जाता है।

निजी निवेश में बढ़ती सक्रियता भी उत्साहजनक संकेत है। बैंकिंग प्रणाली की मजबूत बैलेंस शीट, घटते फंसे ऋण, बेहतर ऋण उपलब्धता और औद्योगिक क्षमता विस्तार ने उद्योग जगत को नए निवेश के लिए प्रोत्साहित किया है। यदि निजी पूंजी निवेश लगातार बढ़ता है तो रोजगार, आय और उत्पादन की एक सकारात्मक श्रृंखला विकसित होती है, जिससे विकास दर टिकाऊ बनती है। रोजगार का प्रश्न इस पूरी बहस का सबसे संवेदनशील पक्ष है। उच्च विकास दर तभी सार्थक होगी जब उसके लाभ व्यापक समाज तक पहुंचें। विनिर्माण, निर्माण, पर्यटन और सेवा क्षेत्रों में रोजगार सृजन की संभावना अवश्य बढ़ी है, लेकिन कौशल विकास, श्रम उत्पादकता और छोटे उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की युवा आबादी एक बड़ा अवसर है, बशर्ते उसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलें।

भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का एक कारण उसकी विविध संरचना भी है। अनेक देशों की अर्थव्यवस्था एक या दो क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भर रहती है, जबकि भारत में कृषि, उद्योग और सेवा तीनों का संतुलित योगदान है। यही विविधता संकट के समय अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करती है। यदि किसी एक क्षेत्र में कमजोरी आती है तो दूसरा क्षेत्र विकास को सहारा दे सकता है। यही कारण है कि वैश्विक संस्थाएं भारत को अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक लचीला मानती हैं। फिर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। वैश्विक व्यापार में मंदी, निर्यात मांग की कमजोरी, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा और खाद्य महंगाई जैसे विषय आने वाले महीनों में नीति निमार्ताओं के सामने बड़ी परीक्षा होंगे। विकास दर को बनाए रखने के लिए केवल सरकारी निवेश पर्याप्त नहीं होगा। उत्पादकता वृद्धि, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास और न्यायसंगत वित्तीय सुधारों पर भी समान ध्यान देना होगा।

भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि दुनिया उसकी आर्थिक क्षमता को गंभीरता से स्वीकार कर रही है। यह विश्वास अचानक नहीं बना, बल्कि निरंतर निवेश, डिजिटल परिवर्तन, अवसंरचना विकास और व्यापक आर्थिक स्थिरता के प्रयासों का परिणाम है। यदि घरेलू मांग मजबूत रहती है, विनिर्माण विस्तार जारी रहता है और राजकोषीय अनुशासन कायम रहता है, तो भारत आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक विकास का प्रमुख केंद्र बन सकता है। लेकिन इस संभावना को वास्तविक समृद्धि में बदलने के लिए आवश्यक होगा कि विकास का लाभ गांव, किसान, श्रमिक, छोटे उद्यमी और मध्यम वर्ग तक समान रूप से पहुंचे। यही समावेशी विकास भारत को केवल सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि सबसे सशक्त और संतुलित अर्थव्यवस्था भी बना सकता है।

कविता का कोना

यही तो जिंदगी है

सांसों का चलना जिंदगी है,
मगर हालात बदल जाते हैं,
जहां चाहिए होता है सहारा,
वहीं गम के बादल छा जाते हैं।

तलाशने पर भी राह नहीं मिलती,
इलाज कहीं नजर नहीं आता है,
इंसान तड़पता रहता है,
और वक्त यूं ही गुजर जाता है।

अफसोस करते हैं अपने भाग्य पर,
ठंडी सांसें भरते जाते हैं,
फिर दर्द को दिल में छिपाकर,
अपने कर्म में जुट जाते हैं।

यही तो जिंदगी है—
सुख-दुख का एक सिलसिला है,
सांसों का चलना ही जीवन है,
हर पल जीने का हौसला है।

जिस दिन सांस रुक जाएगी,
उस दिन सब कुछ थम जाएगा,
शांत हो जाएगी जीवन की धड़कन,
और यह सफर भी रुक जाएगा।

इसलिए जब तक सांसें चलती हैं,
जीवन को मुस्कुराकर जीना है,
दर्द कितना भी गहरा हो,
हर पल उम्मीद से जीना है।

श्रीमती ममता दुबे
सेक्टर-4, भिलाई, छत्तीसगढ़

रिटायर कर्मी बोले- पूरे सेवाकाल में परिवार के सदस्य की तरह साथ दिया सोसाइटी ने

इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी ने 58 सेवानिवृत्त सदस्यों का किया गया विशेष सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र की सबसे पहली और प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड (सेक्टर-6) ने अपने सेवानिवृत्त सदस्यों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमें अगस्त माह अथवा उससे पूर्व संयंत्र की सेवा से निवृत्त एवं स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले कुल 58 सदस्यों को ससम्मान विदाई दी गई। सोसायटी के इतिहास में यह विलक्षण अवसर था जब एक साथ इतने बड़े पैमाने पर रिकॉर्ड 58 कर्मियों को विदाई दी गई।

अध्यक्षता कर रहे सोसायटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने सभी सदस्यों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया और सोसायटी में जमा उनकी स्व-निधियों के खाते देय चेक सौंपे। अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने इस दौरान कहा कि "सोसायटी की नींव आप सभी कर्मचारियों के पसीने और भरोसे पर टिकी है; आपकी सेवानिवृत्ति भले ही संयंत्र से हुई हो, लेकिन इस परिवार से आपका रिश्ता जीवन भर अटूट रहेगा।"

भावुक हुए कर्मी, याद किया अपना सेवाकाल

समारोह के दौरान वर्षों की सेवा के बाद विदा ले रहे कर्मचारी अपनी पुरानी यादों और सोसायटी से जुड़े अनुभवों को साझा करते हुए भावुक हो उठे। देबब्रत रॉय (कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग) ने कहा-इस सोसायटी ने मेरे संकट के हर दौर में एक सच्चे परिवार की तरह साथ दिया है, जिसे मैं जीवन भर नहीं भूल सकता। चंद्राशीला सैमुअल (मेडिकल विभाग) ने कहा-संयंत्र की सेवा के साथ-साथ इस संस्था से जुड़ाव ने मुझे आर्थिक और मानसिक रूप से हमेशा संबल प्रदान किया।

छत्तर सिंह डहरे (रिफ्रैक्ट्री इंजीनियरिंग विभाग - आर.ई.डी.) ने कहा- वर्षों की सेवा के बाद आज मिल रहा यह सम्मान मेरे जीवन की सबसे अनमोल पूंजी है। देव नारायण पटेल (इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग)

ने कहा- सोसायटी के पारदर्शी कामकाज और आत्मीय व्यवहार ने हमेशा सदस्यों का दिल जीता है। बाला राम (टी.ए.ओ. विभाग) ने कहा आज संस्था से अलग होते समय वैसा ही दुख हो रहा है जैसा अपने पैतृक घर को छोड़ते वक्त होता है।

सम्मानित हुए सुदीर्घ सेवा देने वाले कर्मी

विदाई पाने वाले अन्य सम्मानित कर्मियों में प्रमुख रूप से पुरुषोत्तम मेहरा (कोक ओवन एंड कोल केमिकल) अनिमेश तिवारी,प्रदीप कुमार (मेडिकल) पुना राम पाटिल (आर.ई.डी.) पंचानंद,अरविंद कुमार चंद्राकर (ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गनाइजेशन)राकेश कुमार साहू (इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग)प्रशांत कुमार भानु (इंजीनियरिंग) रॉबिन्सन (ऑक्सीजन प्लांट-2) कौशलेन्द्र कुमार गुप्ता (रिसर्च एंड कंट्रोल लैब) गिरीश कुमार वर्मा, किशोर कुमार नशीने,महेश कुमार दुबे (एल.डी.सी.पी.) आर.एस.मिश्रा,जेम्स जॉर्ज (वाटर मैनेजमेंट) गाजभिये शैलेश एन (सी.सी.एन.बी.डी.) प्रदीप कुमार दास शर्मा,लटूरी सिंह सावेरिया,अर्जुन सिंह भेड़िया (सिंटर प्लांट-2) के.गणेश कुमार, मोहनलाल सिन्हा (मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल) बसंत कुमार महोबिया(रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल)रामलिंगम मुदालियर, प्रतीक भोई(ब्लास्ट फर्नेस)कृष्ण कुमार साहू(प्लेट मिल)आलोक कुमार श्रीवास्तव (पी.पी.एन.सी.),महेश कुमार साहू,नरेश कुमार चंद्राकर(मार्स)निताई चंद्रा पॉल (बार एंड राड मिल)संजॉय नारायण रॉय, यमन लाल (स्टील मेल्टिंग शॉप-3)आर. सी.मैथ्यू(पावर एंड ब्लोइंग स्टेशन), स्वरूप कुमार नंदी(पी.बी.एस.)बिनाय कुमार डे(गेस्ट हाउस)विनोद कुमार (यूनिवर्सल रेल मिल)के साथ एस.रामुलु, पीतांबर,संजय कुमार अग्रवाल,विजय कुमार साहू,संजय दत्ता,जी.वेंकटेश्वर राव, ए.ईश्वर राव,विजय शंकर,पी.राजेंद्र,पी. टाटा राव,कमल नारायण भारती,रवि, नोहरी राम,धुपई,योगेंद्र कुमार साहू, अंबिका प्रसाद,देवेंद्र कुमार उईके और आजाद कुमार शामिल हैं।

गरिमामय उपस्थिति एवं आभार प्रदर्शन

इस अवसर पर सोसायटी के संचालक मंडल के सदस्यों सहित अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन संस्था के प्रबंधक एम. मुरलीधर ने किया, जबकि समारोह के अंत में वरिष्ठ सहायक चंचल प्रसाद तिवारी ने सभी अतिथियों एवं सेवानिवृत्त कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

खास खबर

बघेल-वोरा की मौजूदगी में कांग्रेस का प्रदर्शन, महिला कार्यकर्ता घायल व लहूलुहान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा की मौजूदगी में ज्ञानेश कुमार के विरोध में दुर्ग शहर, दुर्ग ग्रामीण एवं भिलाई कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में जोरदार प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया गया। प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए और जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल द्वारा कार्यकताओं को रोकने के प्रयास के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति निर्मित हो गई। कांग्रेस कार्यकताओं के अनुसार, इसी दौरान महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता अंचल गुप्ता को जूतों से रौंदे जाने के कारण पैर में गंभीर चोट लगी और वह लहूलुहान हो गई। उनके पैर का नाखून भी उखड़ गया। चोट लगने के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल दुर्ग ले जाया गया। घटना के बाद अरुण वोरा एवं आर.एन. वर्मा अंचल गुप्ता को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

राहुल रसिया को मिला एक ही दिन में आय प्रमाण पत्र

भिलाई। आय प्रमाण पत्र एक अत्यंत महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेज है, जिसकी आवश्यकता नागरिकों को कई आवश्यक सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पड़ती है। चाहे छात्रों के लिए छात्रवृत्ति का आवेदन करना हो, शासकीय योजनाओं और सब्सिडी का लाभ उठाना हो, अस्पतालों में रियायती इलाज की सुविधा लेनी हो या शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश पाना हो। आय प्रमाण पत्र हर जगह प्राथमिक आधार के रूप में मांगा जाता है। भिलाई-3 निवासी राहुल कुमार रसिया को भी अपने ऐसे ही एक महत्वपूर्ण कार्य के लिए आय प्रमाण पत्र की तत्काल आवश्यकता थी। 21 सितंबर 2026 को राहुल ने सेवा सेतु केंद्र पहुंचकर अपना आवेदन प्रस्तुत किया। वहाँ मौजूद सेवा सेतु प्रबंधक ने पूरी प्रक्रिया में उनका मार्गदर्शन किया और आवेदन को तुरंत दर्ज किया। ई-गवर्नेंस और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण तब देखने को मिला जब उसी दिन 21 सितंबर 2026 को आय प्रमाण पत्र स्वीकृत होकर अनुमोदित भी हो गया।

विशेष बच्चों की सधी हुई प्रस्तुतियों ने किया हैरान

भावविभोर हुए दर्शक, जीई फाउंडेशन के आयोजन अभिव्यक्ति की उड़ान में चार जिलों के 13 विद्यालयों के विशेष बच्चों ने बिखेरे कला के विविध रंग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सामाजिक सेवा संस्थान गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने अभिव्यक्ति की उड़ान का आयोजन 27 सितंबर की शाम महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में किया। विशेष बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को एक भव्य मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुति हुई। चार जिलों के 13 विद्यालयों के विशेष बच्चों ने यहां अपनी कला के प्रदर्शन से दर्शकों को हैरान कर दिया। इन बच्चों की प्रस्तुति सामान्य बच्चों से कहीं भी कमतर नहीं थी, अतिथियों ने भी इन बच्चों को खूब सराहा।

आयोजन में मुख्य अतिथि डीआईजी सीआईएसएफ चंदन कुमार झा विशेष रूप से उपस्थित थे। उनके साथ ही विशेष अतिथि के तौर पर एफएसएनएल के चेयरमैन तोषिहिरो फुजिवारा, प्रबंध निदेशक एनके दीक्षित, मुख्य महाप्रबंधक पंकज त्यागी, युवा नेता मनीष पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार ई.वी. मुरली, बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन के पूर्व महासचिव परविंदर सिंह ग्रेवाल तथा आयकर अधिकारी उषा शैलेश विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की और बच्चों को पुरस्कार व सम्मान प्रदान किए।

विशेष बच्चों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक गीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे सभागार को भावविभोर कर दिया। बच्चों की हर एक प्रस्तुति में उनकी कड़ी मेहनत, अदम्य आत्मविश्वास और अनूठी प्रतिभा की झलक साफ दिखाई दे रही थी। कई प्रस्तुतियां इतनी हृदयस्पर्शी थीं कि दर्शक भावुक हो उठे और पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसके पहले शुरूआत में जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने स्वागत भाषण में अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि संस्थान का यह प्रयास सिर्फ एक सांस्कृतिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारा मुख्य उद्देश्य विशेष बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, उनकी छुपी हुई प्रतिभा को पहचान दिलाना है।

अतिथियों ने सराहा विशेष बच्चों की प्रस्तुति को

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने भी अपने उद्गार व्यक्त किए। अतिथियों ने कहा कि अभिव्यक्ति की उड़ान ने एक बार फिर समाज को यह मजबूत संदेश दिया कि हर बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा छिपी होती है। जरूरत है तो बस उसे सही मंच देने और प्रोत्साहित करने की। जीई फाउंडेशन की यह सार्थक पहल निश्चित रूप से विशेष बच्चों के जीवन में आत्मविश्वास का नया संचार कर रही है और उन्हें समाज में एक विशिष्ट पहचान दिला रही है।

इन स्कूलों की रही भागीदारी

इस वर्ष के आयोजन में चार प्रमुख जिलों धमतरी, रायपुर, राजनांदगांव तथा दुर्ग-भिलाई के कुल तेरह विशेष विद्यालयों के बच्चों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में आकांक्षा स्कूल रायपुर, एक्जैक्ट फाउंडेशन धमतरी, अभिलाषा स्कूल राजनांदगांव, मुस्कान स्कूल, नयनदीप स्कूल, दिव्य ज्योति स्कूल, स्नेह संपदा, तारे जमीं पर स्कूल, ब्राइट स्कूल, गुरुकुल, मानवता स्कूल, नवजीवन कल्याणी एवं सुर धारा के बच्चों ने भाग लिया।

आयोजन को सफल बनाने में टीम की रही विशेष भूमिका

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में जीई फाउंडेशन की पूरी टीम और स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। कार्यक्रम का प्रभावी और ऊर्जावान संचालन अनुपमा मेश्राम एवं साक्षी पांडे ने अपनी सहज एंकरिंग से किया। इस आयोजन को सफल बनाने में मनीष टावरी, सुरेश कुमार, जावेद, के.वी. विनोद, उमेश पटेल, श्रेयस, प्रकाश देशमुख, देव नारायण पटेल, ज्योति पिल्लई, सुभागा सुरेश, सुरुचि तिवारी, मोनिका सिंह, अनुपमा मेश्राम, साक्षी पांडे, हर्षिता, स्वाति बारिक, स्वाति पंड़वार, योगिता साहू एवं सोनम सागर सहित सभी कार्यकताओं ने अपनी सेवाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में सुरेखा सुरेश ने आभार व्यक्त किया।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग की 111 वाँ वार्षिक आमसभा प्रीतपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग, की 111 वाँ वार्षिक साधारण सभा की बैठक दिनांक 28.09.2026 दोपहर 12 बजे स्वामी विवेकानंद हॉल सांस्कृतिक भवन दुर्ग में बैंक के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बैंक से सम्बद्ध सहकारी समितियों के प्राधिकृत अधिकारियों ने आमसभा में भाग लिया। आमसभा की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन द्वारा बैंक के प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्ष 2025-26 में बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक एवं नाबार्ड के निर्धारित मापदण्डों के अनुसार अंकेक्षण में अ वर्ग प्राप्त किया है।

आमसभा में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस.के.वर्मा ने बैंक के वार्षिक लेखा जोखा का वाचन किया जिसमें बैंक ने वर्ष 2025-26 में राषि 155.80 करोड़ का सकल लाभ अर्जित किया है, बैंक द्वारा सभी आवष्यक प्रावधान करते हुए शुद्ध लाभ 55.00 करोड़ अर्जित किया। बैंक द्वारा अपने सदस्य समितियों को 12.74 करोड़ रु. लाभांश भुगतान करने का निर्णय वार्षिक आमसभा में लिया गया। आमसभा में बैंक की वित्तीय पत्रकों एवं अन्य प्रस्तावों की सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रतिनिधियों द्वारा दी गयी।

इस अवसर पर आमसभा में उपस्थित प्रतिनिधियों पवन जैन समिति अहिवारा, निवेश ऋण पर ब्याज दर 12 प्रतिशत से 3 प्रतिशत किया जावे, सभी समिति में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना अंतर्गत सोलर पैनल लगाया जावे, खाद गोदाम ऋण पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जावे, धान खरीदी का त्रिपक्षीय अनुबंध धान खरीदी के पूर्व कराया जावे। योगेन्द्र दिल्लीवार दाउ ढाल सिंह साख समिति द्वारा निवेश ऋण की सीमा में वृद्धि की मांग किया। निवेश ऋण में समिति को ब्याज पर 2 प्रतिशत कमीशन दिया जावे। व्यापारिक आकर्षण हेतु ऋण दिया जावे। दैनिक वेतन कर्मचारियों को वर्ष 2024-25 का बोनस दिया जावे। 10 वर्ष से अधिक अवधि से कार्यरत दैनिक वेतन कर्मचारियों का नियमितीकरण अथवा वेतन वृद्धि हेतु प्रयास किया जावे।

संजीव तिवारी समिति देवरबीजा प्रबंधकीय शुल्क 2.50 प्रतिशत 1.50 प्रतिशत किया जावे।

समिति के कालातीत ऋणों की वसूली हेतु विशेष प्रयास किया जावे। धान खरीदी का परिवहन समय पर किया जावे। रउफ कुरैशी अल्प संख्यक समिति दुर्ग क्रेडिट समितियों को रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराये जाने की मांग एवं फिक्स डिपॉजिट में प्रचलित दर से 1 प्रतिषत अधिक ब्याज की मांग किया गया। मुख्यमंत्री एवं सहकारिता मंत्री के अभिनंदन हेतु सहकारी सम्मेलन आयोजित किया जावे। हरदेव लाल सार्वा हल्दी बीमा कमीषन की राषि समितियों को भी दिये जाने एवं केसीसी चेकबुक 10 पन्ने से बढ़ाकर 25 पन्ने का किए जाने की मांग की गयी। समिति के कर्मचारियों को बैंक भर्ती में प्राथमिकता दिया जावे।

नथमल कोठारी समिति चेचानमेटा गोदाम अनुदान की राशि जो बैंक में जमा है उसे समितियों को दिया जावे। समितियों को धान सूखत का लाभ दिलाया जावे। एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन का कार्य अंतिम तिथि निर्धारित ना करते हुए निरंतर जारी रखा जावे। कृष्णा साहू समिति पीपरछेड़ी एकमुष्त समझौता योजना लागू किए जाने की मांग की गयी।

पूरण सिंह राजपुत समिति घोठिया द्वारा धान का परिवहन समयावधि में कराने की मांग की गई। पवन सोनबरसा समिति खुरसुनी धान का परिवहन समिति में तौलकर भरा जाता है किन्तु संग्रहण केन्द्र में धान की मात्रा में कमी हो जाती है। मणीकांत बघेल समिति डौण्डी ब्याज अनुदान की राषि समयावधि में भुगतान करने । नोहर साहू समिति बेलौदी खाद का समायोजन बैंक में तत्काल किया जाता है किन्तु कृषकों को खाद विलंब से प्राप्त होता है। विष्णु प्रसाद साहू समिति भंडेरा धान खरीदी पंजीयन 21 क्विंटल प्रति एकड़ जिसका भौतिक सत्यापन किया जा रहा है जो कि उचित नहीं है। प्रेमलाल नायक समिति ननकट्ठी, खाद का कमीषन कम है परिवहन भाड़ा ज्यादा लगता है कमीषन में वृद्धि किया जावे, केसीसी गौपालन नवीनीकरण शाखा स्तर पर किया जावे।

भागवत चन्द्राकर समिति जामगांवआर एग्रीस्टेक में सहखातेदारों में यदि एक सदस्य अनुपस्थित हो तो उसका पंजीयन का क्या विकल्प है मार्गदर्शन दिया जावे। प्रबल सिंह समिति जेवरा अन्य व्यवसाय के तहत घरेलू गैस सिलिंडर व्यवसाय हेतु समिति को आर्थिक सहायता प्रदान किया जावे। प्रतिनिधियों द्वारा अपना सुझाव दिया गया एवं समितियों से संबंधित समस्याओं को उठाया गया जिसे बैंक स्तर की मांगो का त्वरित निराकरण बैंक द्वारा कराया जायेगा तथा शासन स्तर के मांगो को शासन को प्रेषित किया जावेगा।

वार्षिक आमसभा में नरेश यदु उपाध्यक्ष, सतीष पाटले उप पंजीयक दुर्ग संदीप भोई उप संचालक कृषि बैंक अधिकारी एस.के.निवसरकर, हृदेश शर्मा, सुश्री कुसुम ठाकुर, के.के.नायक, ए.एस.खान, एस.पी.वाहने, धीरेन्द्र देवांगन आर.के.मोहनमाला, चन्द्रशेखर मानिकपुरी, विष्णु देवांगन सहित 402 समितियों के प्राधिकृत अधिकारी एवं गैर कृषि साख सहकारी समितियों के बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

प्रवचन श्रृंखला समता भवन में प्रवचन श्रृंखला के दौरान बोले जैन संत, कहा- ओवरथिंकिंग से दूर रहें

विचारों की नहीं, आत्मा की मस्ती में जीना होगा : अक्षय मुनि

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

समता भवन बालोद में चातुर्मास के दौरान चल रही प्रवचन श्रृंखला में धर्मसभा को संबोधित करते हुए शासन दीपक अक्षय मुनि मसा ने कहा कि जीवन में हर इंसान के सामने उलझनें, समस्याएं और झंझटें आती रहती हैं। व्यक्ति अपनी बुद्धि और विचारों के माध्यम से उन्हें सुलझाने का प्रयास करता है, लेकिन लगातार विचारों में उलझे रहने से जीवन का आनंद दूर होता जाता है। उन्होंने कहा कि विचारों की नहीं, बल्कि आत्मा की मस्ती में जीना सीखना होगा।

उन्होंने कहा कि इंसान बाहरी दुनिया में बहुत कुछ हासिल कर लेता है। कभी पैसा, मकान और परिवार नहीं था, आज ये सब उपलब्ध हैं, फिर भी जीवन में भ्रम और बेचैनी बनी रहती है। व्यक्ति विचारों को छोड़कर सहज जीवन जीने के लिए तैयार नहीं है। मन अपनी मृत्यु को स्वीकार नहीं करना चाहता और अंतिम समय तक उससे बचने का प्रयास करता रहता है।

अक्षय मुनि जी ने कहा कि जातिवाद भी मन की ही उपज है। मन सबसे बड़ा नेता है और उसकी खुराक ही भेदभाव है। एक बार जातिवाद आया तो अमीरी-गरीबी, फिर गोरा-काला जैसे भेद सामने आने लगते हैं। इसलिए समस्या को दूर करने के लिए उसकी जड़ को पहचानना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विचारों को सुधारने के साथ मन के स्वरूप को समझना होगा, तभी आत्मबोध जागृत होगा।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि बिच्छू का जहर उसके डंक में, सांप का जहर उसके दांतों में और इंसान का जहर उसकी बातों में होता है। व्यक्ति पक्षी की तरह आकाश में उड़ना चाहता है, लेकिन उसे धरती पर सहजता से चलना भी सीखना चाहिए। गरीब व्यक्ति तनाव में और अमीर व्यक्ति अकड़ में जी रहा है। परमात्मा ने हमें मौलिक रूप दिया है, इसलिए किसी की कार्बन कॉपी बनकर जीवन नहीं जीना चाहिए।

जैन संत ने कहा कि आज दुनिया के कई देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं। इसी तरह परिवार, समाज और आसपास के लोगों के बीच भी राग-द्वेष बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया को सुधारने से पहले अपनी आंखों के सामने जो कुछ है, उसे ठीक करने का प्रयास करना चाहिए। अहंकार व्यक्ति को चोट पहुंचाता है, इसलिए लाभ-हानि की गणना में ही पूरी जिंदगी नहीं गुजारनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि महावीर और जिनशासन का मार्ग सहजता और आनंद का मार्ग है। बच्चों के साथ बच्चों जैसा रहना चाहिए और जीवन के तत्व की गहराई में जाने का प्रयास करना चाहिए। ज्ञानी व्यक्ति आत्मा में जीता है, जबकि सामान्य व्यक्ति विचारों में उलझा रहता है। लक्ष्य आत्मा की ओर जाना होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं को अत्यधिक सोचने और ओवरथिंकिंग से बचने की सलाह दी।

दो साध्वियों ने लिया दीर्घ उपवास का संकल्प

धर्मसभा में तपस्या का क्रम भी निरंतर जारी है। श्रीमती सोनम श्रीश्रीमाल ने 30 उपवास तथा श्रीमती रितु बाफना ने 29 उपवास का संकल्प ग्रहण किया। अक्षय मुनि एवं दिनेश मुनि मसा की प्रेरणा से इस चातुर्मास में अब तक 10 मासक्षमण पूर्ण हो चुके हैं। इनमें काजल नाहर, शर्मिला बाफना, स्नेहल लोढ़ा, ईषा तातेड, प्रिया श्रीश्रीमाल, नमिता नाहटा, कुसुम नाहटा और इंदिरा देवी बाफना शामिल हैं।

सुखदेव भगत के नेतृत्व में कांग्रेस को मिलेगी नई ऊर्जा – अरुण वोरा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत के रायपुर आगमन पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने उनसे आत्मीय मुलाकात कर संगठनात्मक और जनहित के मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान पूर्व महापौर आरएन वर्मा, निखिल खिचरिया और कौशल किशोर भी उपस्थित रहे।

वोरा ने कहा कि सुखदेव भगत को प्रदेश प्रभारी बनाए जाने से कार्यकताओं में उत्साह बढ़ा है। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उनके नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट होकर जनहित के मुद्दों को उठाते हुए राहुल गांधी के विचारों और संघर्ष को मजबूत करेंगे।

मुलाकात में बिजली, वढक किसान, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसे जनहित के मुद्दों पर चर्चा हुई। वोरा ने कहा कि बढ़े बिजली बिल, स्मार्ट मीटर, अनियमित बिजली आपूर्ति, UPI पर अतिरिक्त शुल्क, किसानों को उचित मूल्य व समय पर भुगतान, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, स्कूलों में शिक्षकों व सुविधाओं की कमी तथा खराब सड़कों व जलभराव जैसी समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने की जरूरत है। इन मुद्दों को संगठन के माध्यम से मजबूती से उठाकर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जाएगा। इस अवसर पर वोरा ने सुखदेव भगत को दुर्ग आगमन का आमंत्रण भी दिया।

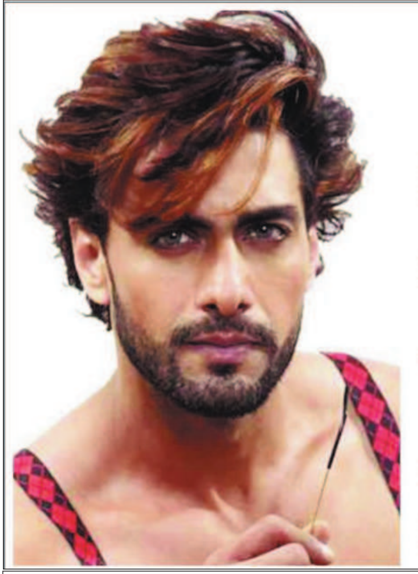

अच्छी केमेस्ट्री का मतलब रोमांस नहीं होता

टेलीविजन से अपने करियर की शुरुआत करने वाले रोहित सराफ ने 'स्काई इज पिंक' से पहचान हासिल की और देखते ही देखते अपने क्यूट लुक और 'मिसमैच्ड' में दमदार अभिनय से नैशनल क्रश बन गए। इन दिनों उन्हें सीरीज 'द रिवॉल्यूशनरीज' से काफी तारीफें मिल रही हैं। इस रोल के लिए उन्होंने शारीरिक रूप से ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है। इस खास बातचीत में वे अपनी और साथी कलाकार प्रतिभा रांटा के साथ अफेयर की अफवाहों, अपनी क्रेजी फैंस और माता-पिता के बारे में दिल खोलकर बातें करते हैं।

रोहित सराफ और प्रतिभा रांटा की डेटिंग की अफवाहें सोशल मीडिया पर काफी समय से चल रही हैं। वेब सीरीज द रिवॉल्यूशनरीज में दोनों के लव एंगल को काफी पसंद भी किया गया। मगर रोहित इन अफवाहों को खारिज करते हुए कहते हैं, 'बिलकुल गलत है, ये महज रूमर्स हैं। देखिए, जब भी आप रोमांस जॉनर में दो एक्टर्स को साथ देखते हैं और वो स्क्रीन पर साथ दिखाई देते हैं, तो मुझे लगता है कि ये अपने आप हो जाता है। ऐसा हर जगह और हर किसी के साथ होता है। मतलब, मैं किसी के साथ भी नजर आऊंगा तो कभी न कभी कोई न कोई ऐसी बात शुरू हो जाएगी। इन सब चीजों को बिल्कुल भी सीरियसली लेने की जरूरत नहीं है।'

दो एक्टर्स एंजॉय करते हैं

उन्होंने आगे कहा, 'मैं सबको बताना चाहूंगा कि यह हमारे लिए थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण भी है, क्योंकि लोग यह सोचते हैं कि हम ही ये सब कर रहे हैं। लेकिन असल में ऐसा बिल्कुल नहीं है। जब दो एक्टर्स साथ काम करते हैं और उनके बीच एक अच्छी एनर्जी होती है, तो स्क्रीन पर उनकी केमिस्ट्री दिखाई देती है। हमारी भी स्क्रीन पर बहुत अच्छी केमिस्ट्री है, लेकिन केमिस्ट्री का मतलब हमेशा रोमांस नहीं होता। इसका मतलब सिर्फ इतना भी हो सकता है कि दो एक्टर्स साथ में काम करते हुए एक-दूसरे के साथ बहुत अच्छा समय बिता रहे हैं और अपने किरदार को एंजॉय कर रहे हैं।

मॉम के लिए वो किसी सपने जैसा था

दिल्ली में पले-बढ़े रोहित उस वक्त महज 12 साल के थे, जब उनके पिता गुजर गए थे, मगर रोहित अपनी सफलता में पिता का हाथ जरूर मानते हैं। वे कहते हैं, 'मुझे पूरा विश्वास है कि मेरी जिंदगी में आज जो भी हो रहा है, वो मेरे पापा की वजह से हो रहा है। मैं पिछले 15 साल से यहां हूं और सौभाग्य से मेरे लिए ये सफर बहुत खूबसूरत रहा है। मुझे बहुत ही अच्छे, सपोर्टिव और खूबसूरत लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। इस दौरान मेरे सामने जो भी संघर्ष आए, शायद मेरे अंदर उन्हें झेलने और उनका सामना करने की क्षमता थी। मैं आगे भी इसी तरह उन चुनौतियों का सामना करता रहूंगा और इसके लिए मैं अपनी सारी सफलता का श्रेय अपने पिता को देता हूं। मुझे लगता है कि वही हैं, जिनका हाथ हमेशा मेरे सिर पर रहा है और उन्हीं के आशीर्वाद की वजह से मैं आज यहां हूं।'

मां ने दी सबसे बड़ी सीख

जहां तक मेरी मॉम का सवाल है, तो अपनी फिल्म द स्काई इज पिंक के प्रमोशन के दौरान मैं नोएडा की एमिटी यूनिवर्सिटी में था और वहां हजारों लोग मेरा नाम लेकर चिल्ला रहे थे। उस वक्त प्रियंका चोपड़ा ने मुझे स्टेज पर इंट्रोड्यूज भी करवाया। वो विडियो लाइव था और मेरी मॉम भी उसे देख रही थीं। मेरी मॉम ने बाद में मुझे बताया कि उन्हें ऐसा लगा मानो वे उस सपने को जी रही हों। इन सारे अहसासों को मैं अपने साथ लेकर चलता हूं। जानता हूं कि अभिनय के क्षेत्र में बने रहना कितना मुश्किल होता है।'

फेक एआई वीडियो बनाने वालों पर भड़के सलमान खान, सरकार से बोले- 'इनको जेल में डालो'

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपने मोस्ट कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 20 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हर वीकेंड पर वह घर में रहने वाले कंटेस्टेंट से मुलाकात करने के लिए आते हैं। इस वीकेंड के वार पर उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर फेक वीडियो बनाने वालों पर अपना गुस्सा निकाला है। वीकेंड के वार पर जब भी सलमान आते हैं तो कभी किसी घर वाले की तारीफ करते हैं। किसी को समझाते हैं और अगर जरूरत पड़ती है तो डांट भी लगाते हैं। इस बार के एपिसोड में उन्होंने एआई का गलत इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और उन्हें जेल भेजने की मांग की है। इस वीकेंड पर सलमान खान ने डिजिटल सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। वह घर के मौजूदा हालात, डिजिटल सुरक्षा से जुड़ी हुई बातों और पैपराजी के बर्ताव के बारे में बात करते नजर आए। डीप फेक के बढ़ते हुए मामलों के बारे में एक्टर ने बात की। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके नकली वीडियो बनाने वालों की निंदा की। भाई जान ने सरकार से कहा कि सोशल मीडिया पर सख्त सेंसरशिप लागू की जानी चाहिए। इस दौरान सलमान थोड़ा गुस्से में भी नजर आए। वह हेर फेर कर ऑनलाइन चलाई जा रही चीजों पर नाराजगी जताते दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि किसी ने आपकी आवाज लेकर उसे डब किया और किसी को गाली दी। पता है वह क्या कर रहे हैं? वो.ढ्ढ वीडियो बना रहे हैं। बहुत से लोगों के और मैं भी एआई वीडियो में हूं। आगे एक्टर ने कहा कि जिन लोगों को पता नहीं है कि यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है वह पोस्ट कर देंगे कि सलमान खान वहां थे। लेकिन जिन्हें यह बात पता है जिन्होंने यह वीडियो बनाया है वह किस तरह के लोग हैं? ऐसे लोगों को जेल में डालना चाहिए। जब तक एक दो लोग जेल में नहीं जाएंगे तब तक यह रुकने वाला नहीं है। उन्होंने मशहूर हस्तियों की छवि के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए कड़े कानून और सोशल मीडिया रेगुलेशन को जरूरी बताया। बिग बॉस सीजन 20 की अपडेट की बात करें तो इस हफ्ते दो कंटेस्टेंट यंग डीएसए और ईशा रिक्खी नॉमिनेटेड थे। दोनों ने पब्लिक वोट का सामना किया जिसमें इशा शो से बाहर हो गई। उनके जाने के बाद रीति काफी इमोशनल नजर आईं। इस एपीसोड में अजय देवगन और जयदीप अहलावत भी शामिल हुए। वह यहां अपने आने वाली फिल्म दृश्यम द कंक्लूजन के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। यह फिल्म 2 अक्टूबर को रिलीज की जाएगी।

शादी से पहले वन मैन वुमन ना बने...: कियारा

एक फेमस पोडकास्ट में पहुंचीं कियारा ने यह सब बातें कहीं. एक्ट्रेस ने कहा, मैं चाहती हूं कि मेरी बेटी अपनी जिंदगी खुलकर जिए. मैं नहीं चाहती कि उसे लगे कि उसे सिर्फ एक ही व्यक्ति के साथ ही जिंदगी गुजारनी है या डेट करना है या... जैसे, ऐसी कोई पाबंदी नहीं है कि अगर आप शादी करना चाहते हैं, तो शादी कर लें और अगर आप शादी नहीं करना चाहते तो शादी न करें. कियारा ने कहा कि उन्होंने जिसे भी डेट किया, उन्हें हमेशा यही लगता था कि वह उनसे शादी करेंगी.

कियारा आडवाणी बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस हैं और अपनी खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं. उन्होंने बॉलीवुड स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा से शादी रचाई है और एक बेटी की मां हैं. हालिया इंटरव्यू में कियारा ने अपनी लाडली बेटी को लेकर बेहद चौंकाने वाली बात की है. कियारा ने साफ कहा है कि वह नहीं चाहती कि उनकी बेटी वन मैन वुमन बने. कियारा ने इसका कारण भी बताया है. कियारा के डेटिंग और फ्यूचर में होने वाली रिलेशनशिप पर दिए इस बयान ने उनके फैंस को चौंका दिया है और सोशल मीडिया पर हल्ला मच चुका है.

एक फेमस पोडकास्ट में पहुंचीं कियारा ने यह सब बातें कहीं. एक्ट्रेस ने कहा, मैं चाहती हूं कि मेरी बेटी अपनी जिंदगी खुलकर जिए. मैं नहीं चाहती कि उसे लगे कि उसे सिर्फ एक ही व्यक्ति के साथ ही जिंदगी गुजारनी है या डेट करना है या... जैसे, ऐसी कोई पाबंदी नहीं है कि अगर आप शादी करना चाहते हैं, तो शादी कर लें और अगर आप शादी नहीं करना चाहते तो शादी न करें. कियारा ने कहा कि उन्होंने जिसे भी डेट किया, उन्हें हमेशा यही लगता था कि वह उनसे शादी करेंगी.शेरशाह एक्ट्रेस ने आगे कहा, जिंदगी ऐसी नहीं होती, शुक्र है भगवान का, क्योंकि भगवान ने जिसे मेरा जीवनसाथी चुना है, उससे मैं बहुत खुश हूं, लेकिन बचपन में आपके जितने भी रिश्ते बनते हैं, वे सब आपको कुछ न कुछ सिखाते हैं, आखिरकार, वे ही आपको वह इंसान बनाते हैं जो आप आज हैं.अभिनेत्री ने कहा, मैं सारायाह को कहूंगी कि जीवन को पूरी तरह से जीना, अपनी इच्छाओं और अनचाही चीजों का फैसला करना ठीक है, और इस रास्ते में गलतियां भी होंगी. आप कुछ ऐसे फैसले भी लेंगे, जो शायद आपको बाद में सही न लगें, लेकिन जरूरी यह है कि आप उनसे कैसे सीखते हैं और उनसे क्या सीखते हैं.

5 महीने में 3 फिल्मों में दिखीं अब इन पिक्चर्स से बॉक्स ऑफिस पर राज करेंगी वामिका गब्बी

बॉलीवुड एक्ट्रेस वामिका गब्बी सिर्फ 5 महीने में 3 फिल्मों में दिखीं. अभी उनके पास 5 बड़ी फिल्में हैं, जिनमें वो आने वाले समय में नजर आएंगी. चलिए उन पांच बड़ी फिल्मों के बारे में जानते हैं. फिल्मी दुनिया में कई ऐसे एक्टर और एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था. काम करने का उनका सिलसिला जारी रहा, बड़े होकर वो फिल्मों में लीड रोल करने लगे और स्टार बन गए. ऐसे ही सितारों में एक नाम एक्ट्रेस वामिका गब्बी का भी है, जिन्होंने साउथ से बॉलीवुड तक अपनी जबरदस्त एक्टिंग की छाप छोड़ी है.पर्दे पर लोग वामिका को देखना पसंद करते हैं. पिछले 5 महीने (अप्रैल-अगस्त) वो में वो 3 फिल्मों का हिस्सा रहीं. इस साल वो सबसे पहले अप्रैल में अक्षय कुमार के साथ 'भूत बंगला' में दिखीं. मई के महीने में आयुष्मान खुराना के साथ वो टी-सीरीज की फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' में नजर आईं. उसके बाद वो अगस्त में तमिल सिनेमा की फिल्म 'छ्छ' में नजर आईं.वामिका के पास काम की कोई कमी नहीं है. वो यंग एक्ट्रेसेस में से एक पॉपुलर चेहरा हैं. अभी उनके पास 5 बड़ी फिल्में हैं, जिनमें वो आने वाले समय में दिखेंगी. आज यानी 29 सितंबर को वामिका का 33वां जन्मदिन है. इस मौके पर चलिए उनकी अपकमिंग फिल्मों के बारे में जानते हैं.

टिकी टाका

पहली फिल्म है रोहित वीएस के डायरेक्शन में बनी 'टिकी टाका'. पहले 2025 में क्रिसमस पर ही रिलीज होने की चर्चा थी. लेकिन उस समय ये फिल्म नहीं आई. ये मलयालम भाषा की फिल्म है. फिलहाल रिलीज डेट अनाउंस होने का इंतजार है.

प्रहार

वामिका गब्बी एक्टर राजकुमार राव के साथ 'प्रहार' में नजर आने वाली हैं. ये उज्जवल निकम की बायोपिक है. मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म का डायरेक्शन अविनाश अरुण ने किया है.

गुडाचारी 2

लिस्ट में अगला नाम है 'गुडाचारी 2' (त्न2) का है, जो एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है. अदिवि शेष और इमरान हाशमी इस फिल्म का हिस्सा हैं. इन दोनों के साथ वामिका गब्बी भी इस फिल्म में नजर आने वाली हैं.

कुकू की कुंडली

लिस्ट में एक नाम धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म 'कुकू की कुंडली' का भी है. ये एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसे शरण शर्मा डायरेक्ट कर रहे हैं. इस फिल्म में वामिका के साथ भुवन बाम दिखने वाले हैं.

दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग

लिस्ट में एक नाम 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' का भी है. इस फिल्म की घोषणा साल 2024 में हुई थी. विकास बहल के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में में सिद्धांत चतुर्वेदी और जया बच्चन भी नजर आने वाले हैं. 2025 में ही ये फिल्म रिलीज होने थी, लेकिन बाद में पोस्टपोन हो गई।

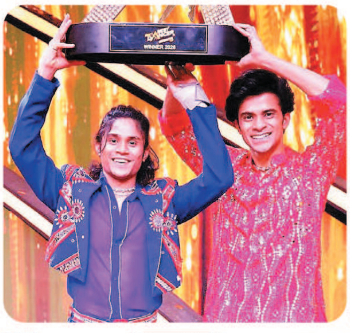

रितेश पाल ने मारी बाजी, 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' की ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' सीजन 5 का खिताब आखिरकार रितेश पाल ने अपने नाम कर लिया है। शानदार डांस परफॉर्मेंस और कड़ी मेहनत के दम पर रितेश ने ट्रॉफी जीतकर अपने फैंस का दिल जीत लिया। उन्होंने अपनी इस जीत को 'सपना सच होने' जैसा बताया। फिनाले में रितेश पाल ने अपने बेहतरीन डांस मूव्स, स्टेज प्रेजेंस और भावनात्मक प्रस्तुति से जजों और दर्शकों को प्रभावित किया। शो में उनके सफर को काफी पसंद किया गया और आखिरकार उन्हें विजेता घोषित किया गया। रितेश की इस जीत में उनके कोरियोग्राफर प्रतीक उटेकर का भी अहम योगदान रहा। दोनों की जोड़ी ने पूरे सीजन में शानदार तालमेल दिखाया और फिनाले में भी दमदार प्रस्तुति दी। ट्रॉफी जीतने के बाद रितेश ने प्रतीक के साथ इस उपलब्धि को खास बताया। रितेश ने अपनी जीत के बाद कहा कि यह पल उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने अपने परिवार, गुरु, कोरियोग्राफर और फैंस का धन्यवाद किया, जिन्होंने पूरे सफर में उनका साथ दिया। 'इंडियाज बेस्ट डांसर' जैसे मंच पर प्रतियोगियों को अपनी डांस प्रतिभा दिखाने का बड़ा अवसर मिलता है। हर सीजन में देशभर से आए कलाकार अपनी मेहनत और हुनर के दम पर दर्शकों का मनोरंजन करते हैं। सीजन 5 में भी कई प्रतिभाशाली डांसरों ने हिस्सा लिया और अलग-अलग डांस स्टाइल के जरिए अपनी पहचान बनाई। लेकिन रितेश पाल ने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फिनाले तक का सफर तय किया। प्रतीक उटेकर के साथ रितेश की जोड़ी पूरे सीजन की खास चर्चाओं में रही। कोरियोग्राफी, एक्सप्रेशन और परफॉर्मेंस के तालमेल ने दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा।

कल हो ना हो के लिए पहली च्वॉइस थीं करीना

बॉलीवुड की 23 साल पुरानी रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म कल हो ना हो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी. इस फिल्म में शाहरुख खान को लीड रोल में देखा गया था. इसमें उनके साथ प्रीति जिंटा और सैफ अली खान भी अहम रोल में थे. इसमें प्रीति जिंटा का रोल नैना कैथरीन कपूर का था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था. इस तिकड़ी को लोगों ने काफी पसंद किया था. लेकिन क्या आप जानते हैं प्रीति जिंटा के रोल के लिए मेकर्स की पहली पसंद करीना कपूर थीं?दरअसल, फिल्म कल हो ना हो से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें प्रीति जिंटा करीना कपूर के बयान पर बेबाक तरीके से अपनी बात रखती नजर आ रही हैं. इंटरनेट पर वायरल हो रहा वीडियो कॉफी विद करण शो का है, जिसे मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर होस्ट करते हैं. बातचीत के दौरान करण जौहर ने प्रीति जिंटा से उस चर्चा पर सवाल किया, जिसमें कहा जाता रहा कि फिल्म कल हो ना हो के लिए पहले करीना कपूर खान को चुना गया था.रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीना कपूर को पहले यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन बात फीस को लेकर अटक गई. कहा जाता है कि करीना ने फिल्म के लिए उतनी ही फीस मांगी थी, जितनी फिल्म के स्टार शाहरुख खान को दी जा रही थी. इसके बाद मामला आगे नहीं बढ़ पाया और फिल्म प्रीति जिंटा को मिल गई.

फिल्म के लिए सेकंड ऑप्शन बनने पर बोलीं प्रीति जिंटा

करण जौहर ने शो में प्रीति जिंटा से पूछा, करीना इस फिल्म की पहली पसंद थीं, उनकी जगह आपको कास्ट किया गया. आपको असल में कैसा लगा? इस सवाल का जवाब प्रीति जिंटा ने बेहद सरल तरीके से दिया. उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा, अगर कोई व्यक्ति दुकान में जाकर जींस पहनकर देखता है, लेकिन उसे खरीदता नहीं है, तो वह जींस उसकी नहीं हो जाती. लेकिन अगर बाद में कोई दूसरा व्यक्ति उसे खरीद लेता है, तो वह असल में उसी की ही कहलाती है.प्रीति जिंटा ने

अ ा ग`

47वें दिन अपनी जगह से एक इंच भी टस से मस नहीं हुई फिल्म हनुमान अंश

लंबे समय से बॉक्स ऑफिस पर एक लो बजट की फिल्म ने कब्जा कर रखा है। आलम तो ऐसा है कि इस बीच कई बड़े बजट की फिल्म आईं और चली गईं लेकिन ये अपनी जगह से हिली नहीं।

हम बात कर रहे हैं फिल्म हनुमान अंश की जिसे विशाल चतुर्वेदी ने डायरेक्ट किया है। शोभिनव सत्या ने इसमें लीड रोल निभाया है। मूवी नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित है। इसे 2 करोड़ के बजट में तैयार किया गया था और आज इसने बॉक्स ऑफिस पर 47 दिन पूरे कर लिए हैं।फिल्म के पहले दो हफ्ते बहुत ही सुस्त रहे और ये थिएटर्स से हटने ही वाली थी क्योंकि यश की टॉक्सिक जैसी कई बड़ी रिलीज होने वाली थीं। लेकिन तीसरे हफ्ते में बाबा की ऐसी कृपा हुई कि मानों पूरा ग्राफ ही बदल दिया।फिल्म के कलेक्शन पर ध्यान दें तो हनुमान अंश वीकडे में भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है जोकि लेटेस्ट रिलीज वाइब और दायरा जैसी फिल्म के लिए दूर की कौड़ी से लग रहा है। बात करें फिल्म के कलेक्शन की तो हनुमान अंश ने 47वें दिन अभी तक 3.04 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।इस तरह फिल्म की अब तक की कुल कमाई 279.07 करोड़ रुपये हो गई है। एक अनुमान के मुताबिक अगर हनुमान अंश इस हफ्ते भी यही गति बनाए रखती है तो इस हफ्ते तक इसका कलेक्शन बहुत ही आराम से 300 करोड़ रुपये पार हो जाएगा। इसका ग्रॉस कलेक्शन पहले ही 329.54 करोड़ रुपये हो चुका है।हनुमान अंश 7 अगस्त को सिनेमाघर में रिलीज हुई थी। अभी उनके साथ इस समय मैदान में पंकज त्रिपाठी की मिर्जापुर, करीना कपूर की दायरा और कुणाल केमू की वाइब थी। ये सभी फिल्में फिलहाल कलेक्शन के मामले में हनुमान अंश से पीछे हैं जिसने 1 महीने से भी ज्यादा समय से सिंहासन पर कब्जा किया हुआ है।

आलिया भट्ट बनीं रेट्रो कैबरे डांसर, 'लव एंड वॉर' से फर्स्ट लुक ने मचाई हलचल

संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म लव एंड वॉर लंबे समय से सुर्खियों में बनी हुई है। इस फिल्म में रियल लाइफ जोड़ी रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को एक साथ काम करते हुए देखा जाने वाला है। कुछ दिनों पहले ही रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक सामने आया था। वहीं अब आलिया भट्ट का लुक रिवील कर दिया गया है। आलिया भट्ट का जो लुक सामने आया है वह दर्शकों को 1960 और 1970 के दशक की याद दिलाने वाला है। लाल रंग की ड्रेस में एक्ट्रेस कैबरे डांसर के अवतार में नजर आ रही हैं। ये लुक आदर्श को रेट्रो कैबरे गानों की याद दिला रहा है। जो तस्वीर सामने आई है उसने आलिया एक स्टेज पर खड़ी हुई नजर आ रही हैं। पूरी स्पॉटलाइट उनके ऊपर पड़ रही है। लाल रंग की फेदर वाली ड्रेस में उनका रेट्रो लुक बहुत ही कमाल का है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपना पहला लुक शेयर किया है। इस पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा फिर से साथ, फिर से जादू, संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर बड़े पर्दे पर 21 जनवरी 2027 को दस्तक देगी। मुलाकात होगी सिनेमाघरों में।लव एंड वॉर को लेकर लंबे समय से दर्शकों में बज बना हुआ है। संजय लीला भंसाली की इस फिल्म में आलिया और रणबीर कपूर के साथ विक्की कौशल भी दिखाई देंगे। नए पोस्टर को देखने के बाद फैंस के बीच फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ चुकी है। बता दें कि संजय लीला भंसाली के साथ आलिया भट्ट की ये दूसरी फिल्म है। इसके पहले दोनों को साल 2022 में गंगूबाई काठियावाड़ी में साथ काम करते हुए देखा गया था। फिल्म में निभाए गए अपने किरदार के लिए आलिया को बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला था। अब एक बार फिर यह दोनों साथ काम कर रहे हैं। ये फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।आलिया भट्ट से पहले मेकर्स की तरफ से रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक भी जारी किया गया था। सामने आई तस्वीरों में रणबीर विंटेज स्पोर्ट्स कार की ड्राइविंग सीट पर बैठे दिखाई दे रहे थे। उनके हाथों पर गोली लगने का निशान भी था। ये लुक फैंस को काफी पसंद आया था। वहीं अब आलिया को देखने के बाद दर्शकों का उत्साह बढ़ गया है। आलिया भट्ट के काम की बात करें तो उन्हें आखिरी बार शिव रवैल की महिलाओं पर केंद्रित स्पाई थ्रिलर अल्फा में देखा गया था। वहीं रणबीर अब नितेश तिवारी की आने वाली फ़िल्म रामायण में नज़र आएंगे, जो दो हिस्सों में दिवाली 2026 और दिवाली 2027 में रिलीज़ होगी। एक्टर के पास एनिमल का सीक्वल एनिमल पार्क भी पाइपलाइन में है। विक्की को आखिरी बार लक्ष्मण उतेकर की आने वाली ऐतिहासिक बायोपिक छावा में देखा गया था। अब वो इस फिल्म में नजर आएंगे।

सेवा संकल्प अभियान : कमकासुर सहित विभिन्न गांवों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित

मातृ संवाद, पौधारोपण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ कार्यकर्ता-सहायिकाओं का हुआ सम्मान, बच्चों को कराया नेवता भोज

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सेक्टर खड़गांव एवं सेक्टर कोहका के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा, संस्कार एवं सर्वांगीण विकास के साथ-साथ माताओं एवं महिलाओं को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना रहा।

सेक्टर खड़गांव अंतर्गत ग्राम गुबियागढ़ कमकासुर में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर संगीता मिश्रा, फकीर शाह नेताम, यशवंत लाल साहू, सरपंच श्री शिव कुमार बोगा, पंचगण, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी समीर सौरभ, सीडीपीओ अर्चना सहित गांव के प्रधान, पटेल एवं प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के प्रारंभिक विकास, पोषण, शिक्षा और संस्कार की मजबूत नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के साथ माताओं एवं महिलाओं तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना भी है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जनभागीदारी बढ़ाने तथा शासन की योजनाओं को पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं एवं मितानिन दीदियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में इनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मौके पर आंगनबाड़ी केंद्रों में सेवाएं प्रदान कर रही आंगनबाड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं एवं मितानिन दीदियों को उनके समर्पण, सेवाभाव एवं ग्रामीण स्तर पर महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम में माताओं एवं महिलाओं के साथ मातृ संवाद का आयोजन किया गया। संवाद के दौरान बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं देखभाल से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई तथा महिलाओं को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। माताओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित पात्र हितग्राहियों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों एवं उपस्थित ग्रामीणों के लिए नेवता भोज का आयोजन किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया। इस दौरान बच्चों के साथ आत्मीयता से संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

बच्चों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

आंगन मिलन कार्यक्रम में आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, बाल गीत, खेलकूद एवं अन्य मनोरंजक गतिविधियों की प्रस्तुति दी गई। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीणों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ आत्मीय संवाद करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया गया तथा खेल सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। अतिथियों एवं ग्रामीणों ने मिलकर पौधे लगाए तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

विभिन्न गांवों में भी हुआ आयोजन

इसी क्रम में सेक्टर कोहका अंतर्गत तेरे गांव पटेलपारा, जामड़ी, डुंगेली एवं ग्राम कोंडाल में भी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच बैसु राम नरेटी एवं पंच प्रभु दास तिर्की सहित गांव के प्रधान, पटेल एवं प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे। इन ग्रामों में भी मातृ संवाद, पौधारोपण, बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद एवं बाल गीत प्रस्तुति, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका एवं मितानिन दीदियों का सम्मान तथा नेवता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

खास खबर

सूर्यघर योजना से बदली तस्वीर, सोलर अपनाकर तुषार पांडे का परिवार हुआ बिजली खर्च से राहत की ओर

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

ग्राम मोहला, छत्तीसगढ़ के निवासी तुषार पांडे के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि परिवार के बिजली खर्च को कम करने का एक प्रभावी माध्यम बनकर सामने आई है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाने के प्रयासों के क्रम में तुषार पांडे को बिजली कार्यालय के माध्यम से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिली। योजना की जानकारी प्राप्त होने के बाद उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित करवाया। सोलर सिस्टम लगने से पहले उनके घर का बिजली बिल लगभग 1,000 रुपये प्रतिमाह आता था, लेकिन सौर ऊर्जा को अपनाने के बाद अब उनका बिजली बिल शून्य आ रहा है।

इससे उनके परिवार को हर महीने बिजली के खर्च में उल्लेखनीय राहत मिल रही है। अपने अनुभव साझा करते हुए तुषार पांडे बताते हैं कि सोलर लगाने का निर्णय उनके परिवार के लिए बेहद लाभदायक रहा और इससे उन्हें बिजली खर्च की चिंता से काफी राहत मिली है। वे अन्य नागरिकों से भी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी लेने और अपने घरों में सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाकर सौर ऊर्जा को अपनाने की अपील करते हैं। उन्होंने नागरिकों को स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग के साथ आर्थिक बचत की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीतागांव में गूंजा नमो सेवा का संदेश : नुक्कड़ नाटक के जरिए सुशासन, जनकल्याण और जनभागीदारी का दिया संदेश

मानपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत मानपुर के सीतागांव में नमो सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनकही कहानियां संगीतमय नुक्कड़ नाटक की प्रभावी प्रस्तुति दी गई, जिसके माध्यम से सेवा, सुशासन और सामाजिक सहभागिता का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया।

नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, नागरिकों के अधिकार एवं दायित्व तथा विकास कार्यों में आमजन की भागीदारी जैसे विषयों को सरल एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। संगीतमय प्रस्तुति के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी व्यापक रूप से समाज तक पहुंच सकता है, जब नागरिक जागरूक होकर योजनाओं से जुड़ें और विकास की प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, अधिकारियों, ग्रामीणों एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत संवाद, गीत-संगीत एवं नाट्य प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को आकर्षित किया। विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने कार्यक्रम का आनंद लेने के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सेवा, संवेदनशील प्रशासन, जनकल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़े संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

जनभागीदारी से मजबूत होगा सुशासन : सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य शासन और जनता के बीच संवाद को मजबूत करना तथा नागरिकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सुशासन केवल शासकीय प्रयासों से नहीं, बल्कि जागरूक एवं सक्रिय जनभागीदारी से अधिक प्रभावी बनता है। सीतागांव बाजार चौक सार्वजनिक स्थल पर आयोजित इस कार्यक्रम ने मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता का भी प्रभावी माध्यम प्रस्तुत किया।

जिलेभर में जारी हैं सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियां : उल्लेखनीय है कि जिले में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा निरंतर जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों में जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक जागरूकता तथा नागरिक सहभागिता से जुड़ी गतिविधियों को शामिल किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी को गांव-गांव एवं आमजन तक पहुंचाने के साथ नागरिकों को अपने अधिकारों और दायित्वों के प्रति जागरूक करना है।

फसल बीमा पाठशाला में महिला किसानों को दी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

शासन की जनकल्याणकारी एवं किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का सिलसिला जिले में निरंतर जारी है। इसी क्रम में कृषि विभाग एवं एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष 2026 के अवसर पर महिला किसानों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम के तहत फसल बीमा पाठशाला आयोजित की गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य महिला किसानों को फसल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान करना रहा। इस दौरान महिला किसानों को फसल बीमा की आवश्यकता, योजना के लाभ, पात्रता, बीमा कराने की प्रक्रिया तथा फसल क्षति की स्थिति में दावा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि राजकुमार सोलंकी, एआईसी के क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश बाघमारे एवं सहायक प्रबंधक बुश विलियम बाघे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में महिला किसान उपस्थित रहीं। इस अवसर पर 10 महिला किसानों को कृषि उपयोगी किट का वितरण किया गया। अधिकारियों ने महिला किसानों से शासन की कृषि एवं किसान हितैषी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने तथा अन्य किसानों को भी योजनाओं की जानकारी देने का आह्वान किया।

पीएमएफबीवाई @10 के तहत 27 चैंपियन किसानों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पीएमएफबीवाई @10 ह्यसफलता की बात, किसान के साथह्न अभियान के अंतर्गत जिले में फसल बीमा योजना के प्रति जागरूकता एवं किसानों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 27 चैंपियन किसानों को सम्मानित किया गया। सम्मानित किसानों को उपहार सामग्री एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल सुरक्षा, योजना के लाभ, बीमा कराने की प्रक्रिया तथा फसल क्षति होने पर दावा प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को फसल बीमा के महत्व से अवगत कराते हुए समय पर बीमा कराने के लिए प्रेरित किया गया।

छत्तीसगढ़ी भाषा एक महासागर है : डॉ चितरंजन

कवि सम्मेलन साहित्य समागम मे जुटे विभिन्न जिले के साहित्यकार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा आयोजित साहित्यिक महासंगम के प्रथम दिवस शनिवार को सांयकालीन भाषाविद डॉ चितरंजन कर ने कहा कि सरल रहना ही सबसे कठिन है। सरल लिखना बहुत कठिन कविता की भाषा मौन है छत्तीसगढ़ी हिंदी की बहन है। बोलियों से भाषा बनती है। हास्य के पीछे करुणा रहती है। जहां जगदीश सोनी के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। तृतीय सत्र का संचालन आशुतोष आनंद दुबे के द्वारा किया गया।

वक्ता डॉ संजीव तिवारी ने बताया कि आईआईटी हैदराबाद मे छत्तीसगढ़ी भाषा विकास को लेकर एआई और भाषा संबंधित कार्य किया जा रहा है जिसमें यू ट्यूब रिल्स आदि वीडियो के डाटा को लेकर उसे छत्तीसगढ़ी भाषा हेतु डाटा कलेक्शन का कार्य किया जा रहा है। डॉ अंकुर शुक्ला ने भी ए आई को लेकर अपनी बात कही। डॉ. हितेश तिवारी ने एआई से मौलिकता को खतरा बताया और छत्तीसगढ़ी को डिजिटल प्लेटफार्म मे लाना है। शरद यादव हर्ष ने कहा कि ए आई के अंतर्गत सही बात सही लिखना है ए आई से सोच समझ कर बात करें। वरिष्ठ साहित्यकार छत्तीसगढ़ मित्र के वर्तमान सम्पादक डॉ सुधीर शर्मा ने छत्तीसगढ़ी साहित्य को लेकर तन मन धन से समर्पित होने की बात कही। जिसके बाद रात 1 बजे तक कवि सम्मेलन चलता रहा जिसमे लगभग 160 कवियों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के मंच से भिन्न भिन्न विधाओं मे दीया। कवि सम्मेलन की खास बात यह रही कि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा भी कवियों के बिच बैठ कर रात 1 बजे तक उनकी रचनाएँ सुनते रहे।

रविवार की सुबह छत्तीसगढ़ी व्याकरण और शब्दकोष को लेकर चर्चा प्रारम्भ हुई जिसमे भाषा विज्ञान पर कार्य करने वाले देवधर महंत, डॉ. संध्या रानी शुक्ला, अरविन्द मिश्र, डॉ विनोद वर्मा, जैसे विद्वानों ने सरगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। जिसमे डॉ विनोद वर्मा ने कहा कि आम जनता जो कहेगी वही भाषा बनेगी और उसे स्वीकार करना पड़ेगा। शब्द ही भाषा की अर्थव्यवस्था है। सत्र के अध्यक्ष डॉ चितरंजन कर ने कहा कि कोई भी भाषा सरल अथवा कठिन नहीं हो सकती। छत्तीसगढ़ी भाषा एक महासागर है। यदि भाषा को सुरक्षित रखना है तो शिक्षा को आधार बना दो। भाषा एक शरीर है व्याकरण उसकी अस्थि पंजर है शब्दकोष मांस मज्जा है तो साहित्य उसकी सांसे हैं।

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के द्वारा आयोजित 10 वें प्रांतीय अधिवेशन मे रविवार दोपहर को जिले पत्रकारों को छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, सचिव डॉ अभिलाषा बेहार, जिला समन्वयक रामानंद त्रिपाठी, पदम्लोचन शर्मा, के द्वारा सम्मानित किया गया जिसमे वरिष्ठ पत्रकार किशोर तिवारी, दिनेश दुबे, संजय दुबे, आमीन पप्पू रवानी, युवराज मिश्रा, योगेश राजपूत, विकास कश्यप का नाम शामिल रहे।

जिसके बाद सातवें सत्र मे छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य और अनुवाद परंपरा को लेकर काफी गहन एवं विस्तार पूर्वक चर्चा हुई जिसकी अध्यक्षता श्रीमती सरला शर्मा के द्वारा किया गया। संचालन अजय अमृतांशु ने किया। वक्ता के रूप मे श्रीमती शकुंतला तरार, रामनाथ साहू, कुबेर साहू, दादुलाल जोशी, ईश्वर साहू 'आरुग' जैसे सिद्धहस्त साहित्यकार मौजूद रहे। रामनाथ साहू ने गद्य के नाट्य विधा पर कुबेर साहू ने गद्य के अनुवाद परम्परा पर दादुलाल जोशी तथा ईश्वर साहू 'आरुग' ने छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य पर बात रखते हुए अपनी भाषा के शब्दों का अधिकाधिक उपयोग करने पर बल दिया। सरला शर्मा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में बताया कि गद्य क्या है और इसका अनुवाद क्यों आवश्यक है और किस प्रकार के गद्य का अनुवाद होना चाहिए।

छत्तीसगढ़ी मे बाल साहित्य पर भी चर्चा हुई जिसकी अध्यक्षता डॉ. अनुसुईया अग्रवाल के द्वारा किया गया। संचालन, काशीपुरी कुंदन के द्वारा किया गया। वक्ता के रूप में कन्हैया साहू 'अमित', चम्पेश्वर गोस्वामी, रमेश चौहान आदि मौजूद रहे।

साहित्य के महासंगम मे दूसरे दिवस भी छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष श्री प्रभात मिश्रा, सचिव डॉ अभिलाषा बेहार, आदर्श दुबे, सुषमा गौराहा, पदम्लोचन शर्मा मुँहफट, रामानंद त्रिपाठी, गोकुल बंजारे चंदन, मशहूर हास्य कवि कृष्णा भारती, धर्मेंद्र डहरवाल हरहा, गीतकार राम कुमार साहू, पंकज शर्मा, निधि साहू, गायत्री श्रीवास, राम हृदय नारायण प्रसाद वर्मा चंदन, जगदीश सोनी, सुरेश सरल, हृदय लाल विश्वकर्मा, मनोज पाटिल, भुवन दास जांगड़े ईश्वर निषाद, ताकेश्वर साहू, नरेन्द्र साहू, मिलन मलरिहा, मुकेश साहू, धर्मेंद्र जंघेल, मनीराम मितान, नरेन्द्र वर्मा अरमान चोवाराम बादल मोहन वर्मा विकास कश्यप, मनोज पाटिल, किशोर तिवारी, विजय मिश्रा अमित सहित भारी संख्या मे साहित्यकार मौजूद रहे।

एआई से तैयार हुआ छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग का गीत-गान

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के 10वें प्रांतीय सम्मेलन में बिलासपुर के कवि एवं डेटा साइंटिस्ट डॉ. अंकुर शुक्ला खावर को छत्तीसगढ़ी भाषा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। सम्मेलन में उनके द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) की सहायता से तैयार छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग का गीत एवं गान की विशेष प्रस्तुति भी दी गई।

बेमेतरा में 26-27 सितंबर को आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के विशेष सत्र सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया अउ अकम छत्तीसगढ़ी में डॉ. शुक्ला ने भाषा और तकनीक के बदलते संबंधों पर अपना शोधपरक दृष्टिकोण रखा। उन्होंने बताया कि अक और डिजिटल तकनीक के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा के साहित्य, लोक-अभिव्यक्तियों, शब्द-संपदा और सांस्कृतिक विरासत को नए डिजिटल माध्यमों में संरक्षित और व्यापक स्तर पर प्रसारित किया जा सकता है।

डॉ. शुक्ला द्वारा अककी सहायता से तैयार राजभाषा आयोग के गीत एवं गान की प्रस्तुति सम्मेलन में आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। इसके माध्यम से उन्होंने यह दिखाने का प्रयास किया कि क्षेत्रीय भाषाओं में रचनात्मक अभिव्यक्ति, दस्तावेजीकरण और डिजिटल अभिलेखीकरण के लिए नई तकनीकों का उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है।

सम्मेलन में भाषा संरक्षण के साथ तकनीकी नवाचार के इस प्रयोग को लेकर चर्चा हुई। वक्ताओं ने क्षेत्रीय भाषाओं की मौखिक परंपराओं, स्थानीय शब्द-संपदा और साहित्य को डिजिटल स्वरूप में संरक्षित करने की संभावनाओं पर भी विचार रखा।

कवि के साथ डेटा साइंस विशेषज्ञ भी हैं डॉ. शुक्ला : डॉ. अंकुर शुक्ला प्रबंधन में PhD तथा IIM कोझिकोड से प्रशिक्षित डेटा साइंस विशेषज्ञ हैं। वे वर्तमान में ExonBot Services के उएड के रूप में कार्यरत हैं। तकनीकी क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के साथ-साथ वे खावर उपनाम से हिंदी की नई कविता तथा उर्दू गजल-नज्म के रचनाकार के रूप में भी सक्रिय हैं।

छत्तीसगढ़ी भाषा को एआई, डेटा साइंस और भाषा-प्रौद्योगिकी से जोड़ने की दिशा में डॉ. शुक्ला के प्रयासों को सम्मेलन में विशेष रूप से रेखांकित किया गया। इसी क्रम में उन्हें सम्मानित किया गया। राजभाषा आयोग का यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और लोक-संस्कृति के साथ आधुनिक तकनीक की संभावनाओं पर संवाद का मंच बना, जिसमें भाषा संरक्षण और डिजिटल भविष्य को लेकर विभिन्न विचार सामने आए।

विशेष कार्यक्रम सेवा संकल्प अभियान के तहत खाद्य विभाग ने आयोजित किया विशेष कार्यक्रम, राशन कार्ड से जुड़ी सेवाओं की दी जानकारी

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ: विक्रांत सिंह

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा खैरागढ़ स्थित सांस्कृतिक भवन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह उपस्थित रहे। अध्यक्षता वरिष्ठ नागरिक डॉ. बिशेसर साहू ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री शशांक ताम्रकार एवं श्री संजय शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पात्र नागरिकों तक शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि खाद्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से राशन कार्ड से संबंधित सेवाओं और प्रक्रियाओं की जानकारी नागरिकों को दी जा रही है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि राशन कार्ड से संबंधित कार्यों के लिए आवश्यकता के अनुसार शिविर आयोजित कर नागरिकों को सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है।

नए राशन कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

फूड इंस्पेक्टर विनोद सागर ने खाद्य विभाग की सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया कि नए राशन कार्ड के लिए नागरिक स्वयं ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने राशन कार्ड से संबंधित प्रक्रिया, आवेदन के माध्यम और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में नागरिकों को दी गई विभागीय जानकारी

कार्यक्रम के दौरान खाद्य विभाग की विभिन्न सेवाओं से संबंधित जानकारी नागरिकों को उपलब्ध कराई गई। राशन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया, ऑनलाइन आवेदन तथा सीएससी के माध्यम से आवेदन सहित विभागीय सेवाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया के संबंध में उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया। आयोजन का उद्देश्य नागरिकों को शासकीय सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच को सुगम बनाना रहा।

कार्यक्रम का संचालन बैदनाथ वर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला खाद्य अधिकारी देवेंद्र बग्गा, सहायक संचालक सचिन मरकाम, संजय ठाकुर, दीपक धनकर, भुनेश्वर चेलक, विनोद सागर, मनीष ध्रुव, डालेश्वरी, रामकुमार धुर्वे, प्रेमचन्द सेन, अशोनन्द सिन्हा, राजेन्द्र देवांगन, नरेंद्र सेन एवं खुमान साहू सहित खाद्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नि :शुल्क चावल के साथ शक्कर और नमक की सुविधा से घरेलू खर्च में राहत

शासन की सार्वजनिक वितरण प्रणाली जरूरतमंद परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। इस व्यवस्था के माध्यम से पात्र परिवारों को नियमित रूप से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्राम पेन्ड्रीकला निवासी ऐतिका साहू, पति चंद्र कुमार साहू का परिवार भी राशन कार्ड के माध्यम से इस सुविधा का लाभ ले रहा है। खाद्य विभाग द्वारा जारी राशन कार्ड के माध्यम से ऐतिका साहू के परिवार को शासकीय उचित मूल्य की दुकान से निःशुल्क चावल के साथ 1 किलो शक्कर और 1 किलो नमक निर्धारित पात्रता के अनुसार मिल रहा है। इससे परिवार की दैनिक खाद्य जरूरतों को पूरा करने में सुविधा हो रही है। राशन कार्ड मिलने से पहले परिवार को आवश्यक चावल बाजार से खरीदना पड़ता था, जिससे घरेलू खर्च बढ़ जाता था। अब शासकीय राशन की सुविधा मिलने से खाद्यान्न की व्यवस्था सुगम हुई है और परिवार के बजट पर पड़ने वाला अतिरिक्त भार कम हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सेवा-संकल्प अंतिम छोर तक पहुंच रहा : रेखराम बंछोर

वार्ड 4 और 18 में आंगन का मिलन कार्यक्रम, बच्चों-माताओं को पौष्टिक आहार

नई दृष्टिबिंदु / जामुल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 4 एवं 18 के आंगनबाड़ी केंद्रों में ह्यआंगन का मिलनह्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों के नन्हे बच्चों के साथ उनकी माताओं को आमंत्रित कर फल एवं पौष्टिक आहार वितरित किया गया। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकताओं का सार्वजनिक रूप से सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व पालिका अध्यक्ष रेखराम बंछोर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सेवा-संकल्प का उद्देश्य समाज की अंतिम पंक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बच्चों एवं माताओं के स्वास्थ्य, पोषण और जनकल्याण से जुड़ी केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी सरल शब्दों में दी। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा, मनोरंजन, पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है।

बंछोर ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों के लिए बेहतर और सुविधाजनक बनाने पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कामकाजी महिलाओं के बच्चों की देखभाल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मां की

तरह अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं।

कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर, मंडल अध्यक्ष बंटी गुप्ता, पार्षद दीपक गुप्ता, रामदुलार साहू, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष कामीन साहू, पूर्व पार्षद मेघनाथ साहू, पूर्व महामंत्री नूतन वर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष योगित साहू, किसान मोर्चा अध्यक्ष रामकृष्ण साहू, युवा कार्यकर्ता धनराज चक्रधारी, आंगनबाड़ी प्रमुख कुलेश्वरी भार्गव, सावित्री चौहान सहित जगदीश देवांगन, लाता देवांगन, शकीला देवदास, कंचन कुशवाहा, रीना यादव, राधिका देवांगन, लोकेश्वरी सिन्हा, किरण निषाद, रितु कौशिक, चित्रा छत्रिय, गौरी निषाद, चुनेश्वरी मंडावी, भारती देवांगन, गंगा साहू, कविता सहित वार्ड के बच्चे, माताएं एवं मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

विधायक निधि से डोम शेड संधारण कार्य शुरू, नवरात्रि से पहले सेक्टर-4 वार्ड 58 में मां अम्बे की पूजा कर कार्य का शुभारंभ

भिलाई। नवरात्रि पर्व के आरंभ होने से पूर्व सेक्टर-4 के वार्ड क्रमांक 58 स्थित यूथ क्लब दुर्गा उत्सव समिति, सड़क क्रमांक 29 के तत्वावधान में डोम शेड के नव निर्माण एवं संधारण कार्य का शुभारंभ किया गया। यह कार्य विधायक देवेंद्र यादव की विधायक निधि से उपलब्ध कराई गई राशि से कराया जा रहा है। कार्य प्रारंभ करने से पहले मां अम्बे की पूजा-अर्चना एवं उपासना की गई।

ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और सत्य सनातन की स्थापना की भावना के साथ समिति द्वारा प्रतिवर्ष जनसहयोग से दुर्गा उत्सव का आयोजन किया जाता है। विधायक निधि से सहयोग मिलने से समिति के सदस्यों में उत्साह बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि भिलाई में दुर्गा पूजा पंडालों को लेकर दो तरह की स्थिति देखने को मिल रही है। एक ओर ऐसे पंडाल बनाए जा रहे हैं, जहां दर्शन के लिए पर्ची की व्यवस्था की जाती है और इससे समितियों के लिए आय का माध्यम भी बन रहा है। वहीं दूसरी ओर कई समितियां आज भी जनसहयोग से पंडाल तैयार कर पूजा-अर्चना के साथ सामाजिक संदेश देने का कार्य कर रही हैं। ऐसी समितियों को सहयोग मिलने से धार्मिक आयोजन की भावना और मजबूत होती है तथा समाज में सनातन संस्कृति की सकारात्मक छवि प्रस्तुत होती है। पूजन एवं कार्य शुभारंभ के अवसर पर जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी, दुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष कलविंदर सिंह (पौड़ी काका), पार्षद सुरेश वर्मा, श्यामसुंदर राव, प्रमोद विश्वास, संतोष मिश्रा, मनोज प्रधान, संगीता ध्रुव, राहुल मिश्रा, महेश महानंद, न्यूब सिंह, कमल महानंद सहित समिति के अन्य सदस्य एवं वार्ड के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ऑपरेशन शंखनाद : लैलूंगा पुलिस को सफलता 13 गौवंश तस्करी से मुक्त, एक आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में चल रहे "ऑपरेशन शंखनाद" के तहत लैलूंगा पुलिस ने गौवंश तस्करी की बड़ी कोशिश को नाकाम किया है। पुलिस ने पिकअप वाहन में क्रूरतापूर्वक भरे 13 गौवंशों को मुक्त कराकर तस्करी में प्रयुक्त वाहन समेत 11 लाख 04 हजार की संपत्ति जब्त की है।

28 सितंबर को थाना प्रभारी लैलूंगा उप निरीक्षक गिरधारी साव को मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद रंग के पिकअप में काला पन्नी ढककर मवेशियों को ठूंस-ठूंसकर झारखंड-उड़ीसा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने गवाहों के साथ ग्राम कुंजारा मेन रोड पर नाकेबंदी की। दोपहर करीब 12:30 बजे घरघोड़ा की ओर से आ रहे वाहन क्रमांक T 0826 JH 4846 को रोका गया। तलाशी में उसमें 04 गाय, 08 बछिया और 01 बछवा कुल 13 गौवंश क्रूरतापूर्वक बंधे मिले।

चालक इमरान खान पिता मुस्तकीम खान, उम्र 29 वर्ष, निवासी केराडिह, थाना नारायणपुर, जिला जशपुर से परिवहन के वैध दस्तावेज मांगे गए तो वह पेश नहीं कर सका। पूछताछ में उसने मवेशियों को झारखंड/उड़ीसा के बूचड़खाने ले जाना बताया। पुलिस ने सभी गौवंशों को मुक्त कराकर ग्राम झरन गौशाला में चारा-पानी के साथ सुरक्षित

रखवाया है। जब्त गौवंशों की कीमत 1 लाख 04 हजार और पिकअप की कीमत 10 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 305/2026 धारा 4,6,10,11 छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 के तहत मामला दर्ज कर जेल भेजा गया है।

कार्रवाई में थाना प्रभारी गिरधारी साव, प्रधान आरक्षक नंद कुमार पैंकरा, आरक्षक इलियाजर टोप्पो और राजू कुमार तिग्गा शामिल रहे। एसएसपी शशि मोहन सिंह का संदेश - "ऑपरेशन शंखनाद के तहत गौवंश तस्करी और पशु क्रूरता के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।"

करंट की चपेट में आए मजदूर, एक की मौत

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में बिजली खंभा गाड़ने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। पत्थलगांव थाना क्षेत्र के पाकरगांव में काम कर रहे मजदूर अचानक करंट की चपेट में आ गए। हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल पत्थलगांव में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार पाकरगांव में मजदूर बिजली का खंभा लगाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान खंभा अचानक गिर गया और पास से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। इसके बाद वहां काम कर रहे मजदूर तेज करंट की चपेट में आ गए। घटना इतनी अचानक हुई कि मौके पर मौजूद अन्य लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में एक मजदूर ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं दो मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए।

प्रभारी भगत के दौरे से नई ऊर्जा का संचार - दीपक बैज

बस्तर बाढ़ पर सरकार पर निशाना, बिजली सत्याग्रह की अवधि बढ़ाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आज पत्रकारों से चर्चा में कहा कि प्रभारी सुखदेव भगत के दो दिवसीय प्रवास से कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। भगत ने संगठनात्मक बैठकों, पत्रकार वार्ता और आंदोलन में भाग लिया, पीसीसी कार्यों की समीक्षा की और आगामी महीनों की कार्ययोजना पर विमर्श किया।

बस्तर में तबाही, मुख्यमंत्री का दौरा खानापूर्ति - बैज

बैज ने कहा कि बस्तर संभाग में बारिश और बाढ़ से तबाही हुई है। 571 गांव पूरी तरह बर्बाद, 22 हजार से अधिक लोग प्रभावित और 8 लोगों की मौत हुई है। घर, राशन, किताबें, दस्तावेज सब बर्बाद हो गए। सरकार की राहत में मुस्तैदी नहीं दिखी। मुख्यमंत्री का बस्तर-सुकमा दौरा खानापूर्ति रहा। प्रभावित परिवारों को सिर्फ 10 हजार की सहायता घोषित की, जो SDM-तहसीलदार भी कर सकते हैं।

कांग्रेस ने मांग की है कि सरकार बाढ़ प्रभावितों और पुल-पुलिया, सड़क, इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए विशेष राहत पैकेज दे। पिछले साल टूटे पुल-पुलिया और सड़कें आज तक नहीं बनीं।

बिजली सत्याग्रह - फार्म भरने की अवधि एक माह बढ़ी

बैज ने बताया कि बढ़े बिजली दाम, स्मार्ट मीटर के विरोध और 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना की मांग को लेकर कांग्रेस गांव-वार्ड-ब्लॉक स्तर पर आम लोगों से फार्म भरवा रही है। सांगठनिक ट्रेनिंग के चलते अब यह अभियान पूरे अक्टूबर माह तक चलेगा। इसके बाद फार्म बिजली ऑफिस में जमा कर पावती ली जाएगी और पावतियों के साथ मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।

32 किलो गांजे के साथ 3 अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार, 16.51 लाख का मशरूका जब्त

नई दृष्टिबिंदु / सुकमा

जिला पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 32 किलो 765 ग्राम गांजा के साथ 3 अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज तिर्की के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।

28 सितंबर 2026 को थाना सुकमा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कोन्टा ढेंग सुकमा के पास तीन व्यक्ति ट्रॉली बैग में अवैध गांजा रखे हुए हैं। सूचना पर कोतवाली पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ा। तलाशी में उनके कब्जे से 32.765 किलो गांजा, मोबाइल फोन और नगदी सहित कुल लगभग 16 लाख 51 हजार 410 रुपये का मशरूका बरामद हुआ।

आरोपियों के खिलाफ थाना सुकमा में अपराध क्रमांक 81/2026 धारा 20(B)(ii)(C) NDPS Act के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

गिरफ्तार आरोपी में मोहम्मद आलिम पिता मोहम्मद गुलजार, 19 वर्ष, निवासी शारापुर मीरापुर खुर्द, थाना जानसठ, जिला मुजफ्फरनगर (उ.प्र.), मोहम्मद मुजम्मिल कुरैशी पिता अब्दुल जब्बार, 32 वर्ष, निवासी बहादुर गंजखेड़, थाना खैर, जिला अलीगढ़ (उ.प्र.) और सलीम कांकर शेख पिता कांकर शेख, 45 वर्ष, निवासी मेरजगांव, कर्जत, जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र) शामिल हैं।

सुकमा पुलिस द्वारा इस वर्ष अब तक कुल 24 अंतर्राज्यीय ग्रुप्स पर कार्रवाई करते हुए 3 करोड़ 31 लाख 77 हजार 650 रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए जा चुके हैं।

चुनाव आयोग के संयुक्त बयान से कांग्रेस के झूठ की पोल खुली - भोजराज सिन्हा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा और भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने मंगलवार को संयुक्त प्रेस वार्ता में कांग्रेस और क्छउक्अ गठबंधन पर संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का आरोप लगाया।

सिन्हा ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. एसएस संधू व डॉ. विवेक जोशी के संयुक्त बयान से कांग्रेस के आयोग में मतभेद के सारे दावे खोखले साबित हुए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि रक्क्रसमेत सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजी अखबार में कैबिनेट सेक्रेटरी को लिखे पत्र का जिक्र सामान्य प्रशासकीय विषय था, न कि नीतिगत या रक्क्र से जुड़ा। चुनाव आयोग सीधे राष्ट्रपति के प्रति जिम्मेदार है, कैबिनेट सचिव को नीतिगत पत्र लिखने का कोई औचित्य नहीं है।

सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी हताशा में एश्ट, संवैधानिक संस्थाओं और चुनाव आयोग पर झूठे आरोप लगाते हैं, जबकि सुप्रीम कोर्ट 27 मई 2026 को रक्क्रप्रक्रिया को वैध ठहरा चुका है। चुनाव आयोग के बयान के बाद कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए।

सड़क पर फर्नीचर रखकर व्यवसाय करने वालों पर नगर निगम भिलाई ने की कार्रवाई, सामान किया गया जब्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त सुरुचि सिंह के निर्देश पर शहर में अवैध कब्जे एवं सड़क बाधा करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जोन-1 नेहरू नगर क्षेत्र अंतर्गत सुपेला मजार के सामने नवीन पानी टंकी के पास सड़क पर सामान रखकर व्यवसाय करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध निगम की टीम ने कार्रवाई की।

नवीन पानी टंकी के सामने कुछ व्यापारियों द्वारा दुकानों का फर्नीचर एवं अन्य सामान सड़क पर रखकर व्यवसाय किया जा रहा था। इससे सड़क का हिस्सा बाधित होने के साथ ही राहगीरों एवं वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सड़क पर सामान फैलाकर व्यवसाय किए जाने से यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही

थी। शिकायत एवं स्थिति को संज्ञान में लेते हुए जोन-1 की राजस्व विभाग एवं बेदखली टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सड़क बाधित कर रखे गए फर्नीचर एवं अन्य सामान को हटवाते हुए सामान जब्त करने की कार्रवाई की गई। निगम की टीम ने दुकानदारों को स्पष्ट समझाइश दी कि सार्वजनिक सड़क एवं आवागमन वाले स्थान पर किसी भी प्रकार का सामान रखकर व्यवसाय न करें।

निगम अधिकारियों ने कहा कि सड़क आम नागरिकों के आवागमन के लिए है। सड़क पर अतिक्रमण कर व्यवसाय करने अथवा आवागमन में बाधा उत्पन्न करने की स्थिति में निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि दोबारा सड़क बाधित कर व्यवसाय करते पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान जोन-1 राजस्व विभागए बेदखली टीम एवं पुलिस प्रशासन की मौजूदगी रही। निगम द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने तथा सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमणमुक्त करने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रखने की बात कही गई।

चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाला बदमाश गिरफ्तार

राजनांदगांव। थाना चौकी चिखली पुलिस ने चाकू लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले आदतन बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपी के कब्जे से एक धारदार चाकू जब्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के मार्गदर्शन में जिले में अवैध शराब, गांजा बिक्री और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है।

29 सितंबर को सूचना मिली कि गठुला रोड श्लोका कॉलोनी के पास एक व्यक्ति चाकू लहराकर आने-जाने वाले लोगों में भय उत्पन्न कर रहा है। सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंची टीम ने घेराबंदी कर आरोपी अमन डोंगरे पिता दीपक डोंगरे उम्र 19 वर्ष निवासी दानेन्द्र किराना दुकान के पास, वार्ड नंबर 09 शंकरपुर, चौकी चिखली को पकड़ा।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100